PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 317 ● भिलाई, बुधवार 01 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही, 30 से अधिक की मौत, 35 घायल

रांची। झारखंड में मानसून के साथ आसमान से बरस रही आफत लगातार लोगों की जान ले रही है। राज्य मे 12 जून से अब तक वज्रपात की घटनाओं में 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 35 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। रांची जिले के सोनाहातू में वॉच टावर का निरीक्षण कर रहे वनरक्षक रोशन श्रीवास्तव की वज्रपात से मौत हो गई, जबकि दो अन्य वनकर्मी झुलस गए। लोहरदगा में तीन वर्षीय बच्ची, रांची के बेड़ो में एक किसान, सिल्ली में एक नाबालिग तथा गढ़वा जिले के रंका में आम चुनने गए दो बच्चों की भी बिजली गिरने से मौत हो गई। 24 से 26 जून के बीच भी वज्रपात ने राज्य के कई जिलों में भारी तबाही मचाई। इस दौरान चतरा, पलामू, जामताड़ा, कोडरमा, देवघर और लोहरदगा समेत विभिन्न जिलों में 12 लोगों की मौत हुई और करीब 18 लोग घायल हुए। लोहरदगा में दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं की जान चली गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

बेगूसराय में दो स्कॉर्पियो की टक्कर में चार युवकों की मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में रविवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सिंघौल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के पास एनएच-31 पर दो स्कॉर्पियो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के पोखरिया निवासी हिमांशु कुमार, सनी कुमार, सिकंदर महतो और ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पोखरिया के छह दोस्त देर रात स्कॉर्पियो से गंगा स्नान के लिए सिमरिया जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक दूसरी स्कॉर्पियो से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी स्कॉर्पियो बखरी थाना क्षेत्र से बारात लेकर विनोदपुर जा रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

भाजपा-रालोद गठबंधन पर सबकी नजर, सीट शेयरिंग बनेगी सबसे बड़ी चुनौती

मेरठ। भाजपा और रालोद के बीच आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की राह आसान नहीं लग रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दोनों दलों का यह गठबंधन ऊपर से जितना मजबूत दिख रहा है, चुनाव पास आते ही सीटों के गणित को लेकर उतना ही उलझता जा रहा है। दोनों ही पार्टियां अपने राजनीतिक वजूद को बचाने और बढ़ाने की कोशिशों में लगी हैं। यही वजह है कि मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद जैसे जिलों में सीटों का तालमेल इस गठबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

नकटी गांव पहुंची कांग्रेस-प्रभावित परिवारों का सुना दर्द

बीजेपी ने गरीबों को बुलडोजर से दिखाई ताकत-भूपेश बघेल

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर के नकटी गांव में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्रवाई के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज आज प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे. उन्होंने मुलाकात कर लोगों की पीड़ा को सुना और प्रशानसिक कार्यप्रणाली की कड़ी निंदा की. इस दौरान कई महिलाओं का दर्द भी छलका. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने परिवारों से घर टूटने घटना के समय मौके पर नहीं पहुंच पाने पर माफी मांगी. उन्होंने कहा कि रात को करीब 10.30 बजे जानकारी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने पप्पू बंजारे को मौके पर भेजा था. पूरे इलाके को भारी पुलिस बल ने घेर रखा था. कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर में इस मुद्दे को उठाया गया था. उन्होंने प्रभावित परिवारों से कहा कि उनके घर टूटने का दुख कांग्रेस पार्टी को भी है और वे इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़ी है. दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करती है. घर टूट गया तो क्या हुआ, घर दोबारा बनेगा, कांग्रेस आपके साथ हर लड़ाई लड़ेगी. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विधायक और अधिकारियों के लिए आवास बनाने की तैयारी कर रही है, लेकिन इसके लिए गरीबों के घर उजाड़ना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि किसी का घर तोड़कर विधायक का घर नहीं बनना चाहिए. दीपक बैज ने कहा कि यहां कांग्रेस राजनीति करने नहीं आई है, बल्कि प्रभावित लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने आई है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लोगों के घर तोड़े जा रहे हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल में किसी का घर नहीं तोड़ा गया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने परिवारों से कहा कि 13 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में कांग्रेस नकटी गांव का मुद्दा प्रमुखता से उठाएगी. साथ ही कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर और राज्यपाल से भी मुलाकात करेगा. यदि समाधान नहीं निकला तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन और प्रदर्शन करेगी. उन्होंने भाजपा विधायक अनुज शर्मा और सांसद बृजमोहन अग्रवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वह चाहते तो यह कार्रवाई रुक सकती थी. बैज ने कहा कि दोनों जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगा जाना चाहिए कि प्रभावित परिवारों के घर क्यों नहीं बचाए गए. साथ ही उन्होंने रायगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी विकास परियोजनाओं के नाम पर बड़ी संख्या में मकान तोड़े गए और लाखों पेड़ काटे गए. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रभावित परिवारों से चर्चा करने के बाद राज्य सरकार पर हमला बोला. उन्होंने आरोप है कि प्रशासन ने गरीब परिवारों के घरों को तोड़ गया है, जबकि प्रभावशाली लोगों के मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. बघेल ने मांग की कि जिन लोगों के घर तोड़े गए हैं, उन्हें मकानों का पूरा मुआवजा दिया जाए. साथ ही प्रभावित परिवारों की आजीविका के नुकसान की भी भरपाई की जाए. उन्होंने कहा कि प्रशासन को पहले प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए थी।

गांव के आसपास मौजूद सभी अवैध कब्जों पर भी समान रूप से कार्रवाई की जाए.....

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नकटी गांव में हुई कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि पूरे मामले पर ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा हुई है और सभी प्रभावित लोगों की बात सुनी गई है. उनका आरोप है कि प्रशासन ने गरीब परिवारों के घरों को निशाना बनाया, जबकि प्रभावशाली लोगों के मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई. पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार ने गरीबों पर बुलडोजर चलाकर अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किया है. बघेल ने भाजपा नेताओं बृजमोहन अग्रवाल और अनुज शर्मा का नाम लेते हुए कहा कि वह पहल करते तो किसी का घर नहीं टूटता. उन्होंने कहा कि गांव के आसपास मौजूद सभी अवैध कब्जों पर भी समान रूप से कार्रवाई की जाए.

यूपी फतह के लिए नितिन नबीन ने बनाया प्लान!

लखनऊ में होने जा रही बीजेपी और आरएसएस की बैठक

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश में 2027 के शुरुआती महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अभी से सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। इसी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 3 और 4 जुलाई को राजधानी लखनऊ के दौरे पर रहने वाले हैं। जनवरी 2026 में पदभार ग्रहण करने के बाद, नितिन नबीन की उत्तर प्रदेश में यह पहली बड़ी संगठनात्मक बैठक है। दो दिवसीय इस दौरे के दौरान नबीन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार के साथ समन्वय

बैठक आयोजित करेंगे। इन बैठकों में दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के साथ-साथ भाजपा की नवनियुक्त राज्य टीम भी शामिल होगी। सूत्रों का कहना है कि नबीन इस अवसर का उपयोग नई टीम को आगामी 'मिशन उत्तर प्रदेश' के लक्ष्यों और रणनीतियों से अवगत कराने के लिए करेंगे। खबर के अनुसार, यह समन्वय बैठक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच बेहतर तालमेल बिठाने की एक कोशिश है। दिलचस्प बात यह है कि इसी तरह का 'फीडबैक' अभ्यास अप्रैल 2026 में मध्य प्रदेश में भी अपनाया गया था। समाजवादी पार्टी द्वारा पिछड़े वर्गों के मतदाताओं को लुभाने की कोशिशों के बीच भाजपा ने भी अपनी पलटवार की रणनीति तैयार कर ली है। भाजपा का मुख्य फोकस उन ओबीसी उपजातियों पर है, जो राज्य की सत्ता तक पहुंचने के लिए निर्णायक भूमिका निभाती हैं। संगठन स्तर पर तैयारी इतनी पुख्ता है कि बूथ सत्यापन का पहला चरण पहले ही पूरा हो चुका है।

व्यूट्यूब पर वीडियो देखकर डॉक्टर बना पति, घर पर ही कराने लगा पत्नी की डिलीवरी; महिला की मौत

तिरुप्पुर। तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले से लापरवाही का एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां इंटरनेट पर वीडियो देखकर घर में प्रसव कराने की कोशिश एक महिला की जान पर भारी पड़ गई। बिना चिकित्सकीय निगरानी के कराई गई डिलीवरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होने से महिला की मौत हो गई, जबकि नवजात बच्ची को डॉक्टरों ने सुरक्षित बचा लिया। जानकारी के अनुसार, उथुकुली क्षेत्र के थलावैपलयम गांव की रहने वाली शशिकला पहले बच्चे को सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए जन्म दे चुकी थीं।

मुख्यमंत्री विजय का आदेश

तमिलनाडु में अब केवल एसी बसें ही खरीदेगी सरकार.....

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्य के सार्वजनिक परिवहन तंत्र को आधुनिक और आरामदायक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। परिवहन मंत्री विजय तमिलन पार्थिबन ने रविवार को सेलम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि भविष्य में राज्य सरकार जितनी भी नई बसें खरीदेगी, वे सभी वातानुकूलित होंगी। परिवहन मंत्री के अनुसार, मुख्यमंत्री चाहते हैं कि तमिलनाडु की जनता को सफर के दौरान पूरी सुविधा मिले। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए परिवहन

विभाग को भविष्य में केवल एसी बसों की ही खरीद करने का आदेश दिया गया है। राज्य सरकार की मंशा है कि अब आम नागरिक भी पूरी तरह आरामदायक और वातानुकूलित बसों में सफर करें। मुख्यमंत्री विजय ने पिछले सप्ताह 25 जून को 300 नई सरकारी बसों को हरी झंडी दिखाई थी।

पूछताछ में बोले पूर्व महासचिव चंपत राय

चोरी में मेरी कोई भूमिका नहीं,टिन्नू ने किया गलत

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। विशेष जांच टीम के सामने पहली बार पूर्व महासचिव चंपत राय ने अपना बयान दर्ज कराते हुए चोरी में अपनी किसी भी भूमिका से साफ इनकार किया है और अपने करीबी सहयोगी टिन्नू यादव को जिम्मेदार ठहराया है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में रामलला के चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की कड़ियों को जोड़ने में जुटी विशेष जांच टीम की कार्रवाई अब बेहद निर्णायक

मोड़ पर पहुंच गई है। मामले के मुख्य केंद्र में घिरे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से पुलिस ने सोमवार को पहली बार करीब तीन घंटे तक बेहद कड़ी और सीधी पूछताछ की। बंद कमरे में हुई इस तफ्तीश के दौरान चंपत राय ने घोटाले में अपनी किसी भी संलिप्तता या भूमिका से साफतौर पर इनकार कर दिया। उन्होंने जांच अधिकारियों के सामने दावा किया कि जैसे ही उन्हें इस कथित चोरी और हेरफेर की जानकारी मिली, वे तुरंत सक्रिय हो गए थे और उन्होंने ही संदिग्धों को पकड़वाकर एफआईआर दर्ज कराई थी। चंपत राय ने पूछताछ के दौरान अपने बेहद करीबी सहयोगी और ड्राइवर रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर पूरा ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि टिन्नू बहुत पहले से उनके साथ जुड़ा हुआ था।

आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही: अनुराग ठाकुर

शिमला । भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शिमला के जाखू हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व पर बात की और राज्य में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही है। अनुराग ठाकुर ने कहा, ऐसा नहीं है कि जब आप भगवान के चरणों में आते हैं, तो सिर्फ कुछ मांगने ही आते हैं। जाखू हनुमान मंदिर एक बहुत पुरानी जगह है। अगर आप इसके आस-पास के खूबसूरत नजारों को देखें, तो आपके अंदर अपने आप ही सकारात्मक ऊर्जा का एहसास जाग उठता है।

भारतीय सेना का मिला नया नेतृत्व

जनरल सेठ ने सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय सेना को नया नेतृत्व मिल गया है। जनरल धीरज सेठ ने 30 जून 2026 को देश के नए सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वह सेना के उप प्रमुख के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके सेना प्रमुख बनने के साथ ही निवर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक लॉन्स में उन्हें सेना की ओर से औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया

गया, जबकि उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की इतिहास राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला के पूर्व छात्र जनरल धीरज सेठ को दिसंबर 1986 में भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन मिला था। करीब चार दशक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं और देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनके पास ऑपरेशनल, रणनीतिक योजना, सैन्य क्षमता विकास और संस्थागत नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। जनरल सेठ ने रेगिस्तानी क्षेत्रों से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों तक विभिन्न चुनौतीपूर्ण मोर्चों पर नेतृत्व किया है।

एथेनॉल सप्लाई पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने आवंटन प्रक्रिया को दी हरी झंडी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश में पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक बार फिर चर्चा में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एथेनॉल टेंडर से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने साफ कर दिया कि पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का फैसला बरकरार है। हालांकि, एथेनॉल की सप्लाई और आवंटन को लेकर चल रहे विवाद पर कोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी। सरकार का कहना है कि यह एक बड़ा प्रयोग है, जिसके नतीजे अगले साल तक सामने आ सकते हैं। यह मामला भारत पेट्रोलियम और केंद्र सरकार से जुड़े एथेनॉल टेंडर विवाद का है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने का आदेश दिया था। भारत पेट्रोलियम का कहना है कि इससे सरकार की 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग योजना प्रभावित हो सकती है। इसी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने अदालत को बताया कि सरकार पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने की योजना पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने इसे एक बड़ा राष्ट्रीय प्रयोग बताते हुए कहा कि इसके वास्तविक परिणाम अगले साल तक सामने आने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के अलग-अलग हाईकोर्ट में इस मुद्दे से जुड़े कई मामले लंबित हैं। अगर हर जगह अलग-अलग फैसले आए, तो राष्ट्रीय नीति प्रभावित हो सकती है। इसलिए केंद्र सरकार सभी मामलों को एक साथ सुनने के लिए ट्रांसफर याचिका दाखिल करना

चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की दलील सुनने के बाद मामले में नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई तक मौजूदा स्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी पूछा कि सरकार पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के पास क्यों नहीं गई। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि ट्रांसफर याचिका दाखिल करना केवल मामले में देरी करने की कोशिश है। सुनवाई के बाद अटॉर्नी जनरल ने स्पष्ट किया कि उनके बयान का संबंध केवल एथेनॉल की सप्लाई और आवंटन से था। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल मिलाने की सरकार की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, तेल कंपनियों को कितनी मात्रा में एथेनॉल मिलेगा, यह मांग, उपलब्धता और अन्य परिस्थितियों के आधार पर तय किया जाएगा। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने स्पष्ट किया कि पेट्रोल में 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का सरकार का लक्ष्य पूरी तरह से कायम है। उन्होंने इसे देश के ऊर्जा क्षेत्र और पर्यावरण सुधार के लिए एक 'महत्वाकांक्षी प्रयोग' बताया। सरकार का मानना है कि इस योजना के वास्तविक और दूरगामी परिणाम अगले साल तक पूरी तरह से स्पष्ट हो जाएंगे। सरकार ने स्पष्ट किया कि 20 फीसदी ब्लेंडिंग का लक्ष्य अपरिवर्तित रहेगा। यह सारा विवाद एथेनॉल आपूर्ति के अनुबंधों को लेकर था।

कानूनी पेच और सरकार की चिंता

अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट को अवगत कराया कि एथेनॉल आपूर्ति के अनुबंध अक्टूबर 2025 में ही संपन्न हो चुके हैं। उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि देश के अलग-अलग हाई कोर्ट्स में इस मुद्दे पर कई याचिकाएं लंबित हैं, जिससे विरोधाभासी आदेश आने का खतरा है। सरकार का तर्क है कि इससे राष्ट्रीय नीति के क्रियान्वयन में बड़ी बाधा आ सकती है। सरकार ने इन सभी मामलों को एक जगह समेकित करने का आग्रह किया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने सरकार की ट्रांसफर याचिका का विरोध करते हुए इसे कार्यवाही में देरी का प्रयास बताया, लेकिन सरकार ने तर्क दिया कि अक्टूबर से पहले फैसला आना अनिवार्य है क्योंकि तब तक नए अनुबंध दिए जाने हैं। तमाम दलीलों को सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई तक वर्तमान आपूर्ति व्यवस्था को यथावत रखने का आदेश दिया है। इस फैसले से सरकार को अपनी ब्लेंडिंग नीति को बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाने में बड़ी राहत मिली है।

आसमान की ओर टिकी किसानों की उम्मीदें : बीज-खाद के बाद अब बारिश ने तोड़ी कमर, सूने खेतों को गमगीन आंखों से निहार रहे अन्नदाता

गरियाबंद। गांवों की पगडंडियों से लेकर खेतों की मेड़ों तक इन दिनों एक अजीब-सी खामोशी पसरी हुई है जिन खेतों में हर साल 15 जून के बाद हल की आवाज गूंजने लगती थी आज ऐसे खेतों में वहां सन्नाटा पसरा हुआ है क्योंकि जून का महीना खत्म होने को है और फसल की बुआई तो दूर खेत की जुताई तक पूरी तरह नहीं कर पाए हैं जबकि कुछ किसान किसानी को अपने भाग्य पर छोड़ते सूखा खेती में भी फसल बो दिए हैं लेकिन खेतों में एक बूंद पानी नहीं पड़ रहा है आसमान में बादल आते हैं किसानों में उम्मीदें जगाती हैं फिर बिना बरसे लौट जाती हैं और यह स्तिथि सबसे ज्यादा देवभोग ब्लॉक में देखने को मिल रहा है इलाके में 15 जून से 30 जून तक आम तौर पर खेत की साफ़ सफाई जुताई बुआई के अलावा मिंजाई भी हो जाता रहा इसके साथ आने भी 20 जुलाई तक बीआसी भी मारते रहे लेकिन कुदरत ने इस बार ऐसा क़हर बरसाया है कि जून माह समाप्त होने को हैं और अब तक धान बुआई और कई खेतों की जुताई तक नहीं हो पाई है मतलब इस साल कुदरत की बेरुखी ने के किसानों की हर बार टूटती उम्मीदों के साथ नम आंखों से चेहरे पे चिंता लिए सुबह शाम अपनी खेत की ओर निहार रहे हैं क्योंकि इस बार किसानों को आर्थिक के साथ साथ कुदरत की मार भी झेलनी पड़ रही है पहले डीजल के अभाव में टैक्टर से कुछ खेत की जुताई करने में कमर टूट गई उसके बाद बीज और खाद की अव्यवस्था ने किसानों को मानसिक रूप से परेशान किया किसी ने कर्ज लेकर बीज खरीदे, किसी ने उधार में खाद जुटाई अब जब खेतों में मेहनत उतारने का समय आया तो बारिश ने साथ छोड़ दिया जबकि पिछले वर्ष की तुलना इस वर्ष काफ़ी ज्यादा खेती किसानी खर्च हुआ है ऐसे मे जल्द बारिश नहीं हुई तो सिर्फ एक फसल नहीं पूरे साल की उम्मीदें सूख सकती हैं।

खंड वर्षा ने बढ़ाई किसानों की चिंता -: जिले मुख्यालय के साथ साथ नवागढ़ मैनपुर और धुर्वागुड़ी क्षेत्र में बीते दिन जमकर बारिश देखने को मिला जिससे उस क्षेत्र के किसानों के चेहरों पर राहत दिखाई दी लेकिन मूसलाधार बारिश की धाराएं देवभोग तक पहुंचने से पहले ही थम गई नतीजा यह है कि आज भी यहां गर्मी का प्रकोप बरकरार है और किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं हालात ऐसे हैं कि देवभोग के अंतिम सीमा क्षेत्र में कहीं-कहीं हल्की फुहारें पड़ जाती हैं लेकिन मुख्य इलाके की धरती अब भी बारिश की एक-एक बूंद को तरस रही है कहीं तेज बारिश और कहीं बिल्कुल सूखा रहने की यह खंड वर्षा किसानों की मुश्किलें और बढ़ा रही है खेतों में न पर्याप्त नमी है न जुताई की रफ्तार बढ़ पा रही है और न ही बुआई शुरू हो सकी है अन्नदाता अब सिर्फ और सिर्फ यही दुआ कर रहा है कि बादल इस बार देवभोग पर भी मेहरबान हों ताकि सूखी धरती पर फिर से उम्मीदों की हरियाली लौट सके

नहर लाइनिंग बड़े बड़े डैम ऐनीकट साबित हुआ सफेद हाथी-: किसानों सही समय में सिंचाई व्यवस्था मुहैया कराने के लिए देवभोग के बरही आमड उरमाल अम्लीपदर जैसे अन्य नहर लाइनिंग एनीकट के नाम पर सरकार ने सेकड़ो करोड़ रुपए पानी की तरह फूंक दिया है जिसे वरदान माना जाता था लेकिन मौसम की बेरुखी के समय पानी नहीं मिलने से यह नहर लाइनिंग और एनीकट सफेद हाथी साबित हो रहा है क्योंकि इस योजना से किसानों को रत्ती भर भी सहायता नहीं मिल रहा है ऐसे में नहर लाइनिंग एनीकट कार्य के आड़ में अधिकारियों और ठेकेदार के लिए कमाई जरिए बना तभी आज किसानों ऊपर वाले की ओर मुंह ताके हुए।

मन की बात-राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल के ग्राम अछोटा स्थित मंडल अध्यक्ष मोनिका ऋषभ देवांगन के निज निवास सौभाग्य में बूथ क्रमांक 235 एवं 236 पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को सेवा, समर्पण, जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, आत्मनिर्भर भारत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा वोकल फॉर लोकल, नवाचार, युवाओं की प्रतिभा, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा विकसित भारत.2047 के संकल्प को जन.जन का अभियान बनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने तथा प्रत्येक नागरिक से राष्ट्रहित में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने अपने प्रेरणादायी संदेश में स्पष्ट किया कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता, सकारात्मक सोच, सेवा भाव और सामूहिक प्रयासों से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। मन की बात आज केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को प्रेरणा, नवाचार, जनभागीदारी और सामाजिक चेतना से जोड़ने वाला एक सशक्त राष्ट्रीय मंच बन चुका है। यह कार्यक्रम समाज के प्रेरणादायी व्यक्तित्वों, नवाचारों एवं जनहित के कार्यों को देश के सामने लाकर प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मोनिका ऋषभ देवांगन, पूर्व मंडल अध्यक्ष ऋषभ देवांगन, पूर्व जनपद सदस्य पद्मिनी साहू, बूथ अध्यक्ष गिरधारी देवांगन एवं तिहारू राम देवांगन, नवनियुक्त महिला मोर्चा पदाधिकारी रूपा देवांगन, चेतना देवांगन, झामीन बाई देवांगन, अमेरिका ध्रुव, सुमित्रा देवांगन, द्रौपदी देवांगन, शारदा देवी, तामेश्वरी देवांगन, लता देवांगन, रुक्मणी देवांगन, कल्पना नेताम, बिंदु यादव, रिफल सेन, अंबा, राधा यादव सहित शक्ति केंद्र के पदाधिकारी, वरिष्ठ एवं प्रमुख कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सहकारिता सप्ताह समारोह का उद्घाटन एवं जागरूकता कार्यक्रम

सरायपाली। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक पूरे देश व प्रदेश में सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी इस दौरान सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों, योजनाओं और किसानों की आर्थिक मजबूती में सहकारी संस्थाओं की भूमिका को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जा रहा है। कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से सहकारी ध्वजारोहण, सदस्यता अभियान, माइक्रो एटीएम वितरण, केसीसी एवं रूपे केसीसी कार्ड वितरण, सहकार दौड़, वृक्षारोपण, मृदा परीक्षण, कृषक संगोष्ठी, एफपीओ एवं पैक्स की भूमिका पर परिचर्चा का आयोजन भी किया जाएगा। इस संबंध में प्राधिकृत अधिकारी अनन्त राम पटेल (प्रा, कृषि साख सहकारी समिति सरायपाली पं,क,-) ने बताया कि सहकारी सप्ताह के दौरान किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि व्यवस्था, एफ्मीओ मॉडल, पैक्स की भूमिका, डिजिटल बैंकिंग, सहकारी विपणन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा की जाएगी। सरकार का उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से गांवों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत करना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राधिकृत अधिकारी अनन्तराम पटेल, विपिन उबोवेजा, विजय प्रधान , गंगाराम पटेल प्रसन्न प्रधान, कन्हैया पटेल, हेमन्त प्रधान, जपीलाल मांझी, शिवचरण पटेल आसरित पटेल कमलेश पटेल बड़ी संख्या में किसान व समस्त कर्मचारी उपस्थित थे ।

महिला सशक्तीकरण केवल एक चुनावी नारा : चातुरी नन्द

सरायपाली। नगर निकायों में एल्डरमैन मनोनयन सूची जारी होने के बाद सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने भाजपा सरकार पर महिलाओं के साथ छल और अन्याय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का ढोल पीटने वाली भाजपा की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। नंद ने कहा कि महासमुंद जिले के नगर निकायों में कुल 24 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं, लेकिन इनमें केवल 3 महिलाओं को ही स्थान दिया गया है, अर्थात मात्र 12.5% जबकि 87.5 प्रतिशत पद पुरुषों को दिए गए। यह स्पष्ट करता है कि भाजपा की कथित महिला सशक्तिकरण की नीति केवल भाषणों और चुनावी नारों तक सीमित है। उन्होंने कहा कि सरायपाली, पिथौरा, बसना और तुमगांव में एक भी महिला को एल्डरमैन नियुक्त नहीं किया गया। इन चार निकायों में महिलाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर भाजपा सरकार ने उनके साथ विश्वासघात किया है। विधायक ने कहा कि सबसे बड़ा विरोधाभास सरायपाली में देखने को मिला, जहां पालिका अध्यक्ष स्वयं एक कार्यकर्ता भी हैं। बावजूद शहर के दो वार्डों से दो-दो कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन बनाया गया है।

इस प्रकार स्थानीय और 5 नगरीय निकायों में एक भी महिला की नियुक्ति नहीं करना महिलाओं के साथ धोखा है, लेकिन पांचों एल्डरमैन पुरुष बनाए गए। यदि वास्तव भाजपा में के पर महिलाओं नेतृत्व विश्वास करती, तो कम से कम एक महिला को अवसर अवश्य मिलता। चातुरी नंद ने भाजपा पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि महिला आरक्षण का श्रेय लेने और 33 प्रतिशत आरक्षण के नाम पर राजनीतिक वाहवाही लूटने वाली भाजपा महत्वपूर्ण मनोनयन और नियुक्तियों के समय महिलाओं को भूल जाती है। संसद में महिला आरक्षण की बातें करने वाली भाजपा स्थानीय निकायों में महिलाओं को 12.5 प्रतिशत प्रतिनिधित्व भी सम्मानपूर्वक नहीं दे पा रही है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा के लिए महिला सशक्तिकरण केवल एक चुनावी नारा है, न कि वास्तविक प्रतिबद्धता।

ब्राह्मण पारा वार्ड में भाजपा द्वारा बलिदान दिवस, मन की बात का आयोजन

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा ब्राह्मण पारा वार्ड क्रमांक 15 के दोनों बूथों पर बैठक आयोजित कर भारत के महान राष्ट्रवादी चिंतक एवं जनसंघ के संस्थापक स्व.डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्रसेवा एवं अखंड भारत के संकल्प को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। बैठक में संगठन के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की विस्तृत जानकारी दी गई तथा 6 नए सदस्यों का पंजीयन भी कराया गया। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण वार्डवासियों के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना में शामिल हुए आईएनएस दूनागिरी, संशोधक एवं अग्रय मिसाइल सहित रक्षा क्षेत्र में देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता की जानकारी साझा की। साथ ही भारत में निर्मित सी-295 विमान की पहली उड़ान, डीआरडीओ द्वारा लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता में आयोजित विश्व योगासन चैंपियनशिप में भारत द्वारा 114 पदक 102 स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शक्तिकेंद्र प्रभारी संगीता जगताप, मन की बात प्रभारी चंद्रकला पटेल, महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी डोल प्रतिमा सोनी, महिला प्रमुख जानकी सार्वा, दिशा सार्वा, देविका सार्वा, वरिष्ठ कार्यकर्ता शंकर कुम्भकार, संतोष सार्वा, कृष्णा यादव, कार्यालय मंत्री खिलेश कुम्भकार, पार्षद कोमल सार्वा, बूथ अध्यक्ष योगेश साहू, बूथ अध्यक्ष अमित साहू, अंकित दुबे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पार्षद कोमल सार्वा ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की आगामी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया।

शिक्षा से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव : मोनिका ऋषभ देवांगन

धमतरी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोरम एवं संकुल सोरम में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति एवं भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल अध्यक्ष मोनिका ऋषभ देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। विद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान देवांगन ने पहली बार विद्यालय की दहलीज पर कदम रखने वाले एवं नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर तथा मुंह मीठा कर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, व्यक्तित्व विकास एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की सर्वोत्तम पाठशाला है। इस अवसर पर शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आनेए मन लगाकर अध्ययन करनेए शिक्षकों का सम्मान करने तथा अपने माता.पिता के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। अपने उद्बोधन में मोनिका ऋषभ देवांगन ने कहा कि शिक्षा ही विकसित समाज, सशक्त राष्ट्र और समृद्ध भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित समाज ही सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी में असीम संभावनाएं निहित होती हैं और यदि वह अनुशासन, परिश्रम एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े तो जीवन के प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने उपस्थित पालकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें, उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें तथा घर में सकारात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता में परिवार, विद्यालय एवं समाज की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मुख्य अतिथि ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश, छात्रवृत्ति, विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, डिजिटल शिक्षा तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने शिक्षक.शिक्षिकाओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण के वास्तविक शिल्पकार हैं। उनके मार्गदर्शन, समर्पण एवं सतत प्रयासों से ही विद्यार्थी जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करते हैं।

नगर पालिका में पांच एल्डरमैन का मनोनयन, महिलाओं के नाम पर विचार भी नहीं

सरायपाली। नगर पालिका सरायपाली में राज्य शासन ने पांच एल्डरमैनों की नियुक्ति है। लेकिन इनमें एक भी महिला शामिल नहीं है। एक ही वार्ड से दो लोगों की नियुक्ति कर दी गई है, जबकि 15 वार्डों में पतेरापाली, झिलमिला, बस्ती सरायपाली और महलपारा जैसे बड़े वार्डों के कार्यकर्ताओं को छोड़ा गया। सरायपाली में डॉ संकीर्तन प्रधान, घांसी विश्वकर्मा, रविंद्र पंडा, मोहन शर्मा एवं मनोज आदित्य की नियुक्ति की गई है। आज सभी ओर महिला सशक्तिकरण और राजनीतिक, प्रशासनिक कार्यों में महिलाओं की भी समान भागीदारी की बात की जाती है। लेकिन जमीनी स्तर पर जब कार्य करने की बारी आती है, तो इन बातों को दरकिनार कर दिया जाता है। इसका ताजा उदाहरण वर्तमान एल्डरमैनों की नियुक्ति में देखा जा सकता है। पालिका में अध्यक्ष के पद पर भी एक महिला सरस्वती चंद्र कुमार पटेल पदस्थ हैं और इसी पालिका में एल्डरमैनों की नियुक्ति में महिलाओं के नामों पर विचार ही नहीं किया गया। जबकि सरायपाली क्षेत्र में कई महिलाएं राजनीति में काफी लंबे समय से सक्रिय हैं इसके बावजूद एल्डरमैनों की नियुक्ति में महिलाओं की अनदेखी करना कई तरह के प्रश्न खड़े करता है। इन नियुक्तियों को लेकर क्षेत्र की महिलाओं में नाराजगी है। आम जनों में भी तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष सरस्वती चंद्रकुमार पटेल ने एल्डरमैन नियुक्ति पर कहा कि वरिष्ठ नेताओं एवं संगठन से जुड़े नेताओं द्वारा निर्णय लेकर नाम भेजा गया था और संगठन ने जो नियुक्त किया है वह सबको मान्य है। एल्डरमैन नियुक्ति को लेकर कई स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में ही असंतोष दिखाई दे रहा है। नाम न छापने की शर्त पर कुछ कार्यकर्ताओं ने बताया कि शहर में ऐसे कई भाजपा कार्यकर्ता हैं जो पिछले 25-30 वर्षों से लगातार पार्टी की सेवा में लगे हुए हैं?। शहरी क्षेत्र के चुनाव में हमेशा भाजपा ही आगे रही है, जिनमें इन्हीं पुराने कार्यकर्ताओं का बड़ा हाथ रहा है। बावजूद एल्डरमैन की नियुक्ति में एक बाहरी व्यक्ति को लिया गया है, जो कुछ ही समय से शहर में निवासरत हैं। सभी से वार्डों में पार्टी के कई समर्पित पुराने कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किए जाने से कार्यकर्ताओं में असंतोष दिखाई दे रहा है।

'मन की बात' केवल संवाद नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का जनआंदोलन है: प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन

भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' का 135वां एपिसोड

जब मन में संकल्प हो और समाज का साथ मिले, तब कोई भी बड़ा बदलाव संभव है- जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख

बालोद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का प्रसारण रविवार को पूरे देश के साथ-साथ बालोद जिले में भी उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ सुना गया। भारतीय जनता पार्टी जिला बालोद द्वारा जिले के सभी मंडलों एवं बूथों पर कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। इसी क्रम में भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन बालोद विधानसभा के ग्राम सिवनी स्थित बूथ क्रमांक-93 पहुंचे, जहाँ उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को सुना। वहीं जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख, जिला महामंत्री राकेश छोटू यादव, सौरभ लुनिया सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी अपने-अपने बूथों पर कार्यक्रम में सहभागिता की। बालोद शहर मंडल के बूथ क्रमांक 24 से 47 तक सभी बूथों पर 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। पूरे जिले में कार्यक्रम उत्सव के वातावरण में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन की प्रमुख बातें-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2026 के छह महीनों में भारत ने अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिन पर प्रत्येक देशवासी को गर्व है। उन्होंने कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना में स्वदेशी युद्धपोतों के शामिल होने तथा डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत समुद्र से लेकर आकाश तक अपनी सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की ऐतिहासिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस वर्ष विश्व के 25 लाख से अधिक स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित हुए। अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैंपियनशिप में भारत द्वारा 114 पदक, जिनमें 102 स्वर्ण पदक शामिल हैं, जीतना देश के लिए गौरव का विषय है।

पीएम सुरक्षा बीमा योजना कठिन समय के लिए मजबूत सहारा-उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के दौरान देशवासियों से किए गए उनके आह्वान जैसे कार पूलिंग को बढ़ावा देना, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग, प्राकृतिक खेती एवं रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करना-को जनता ने सकारात्मक रूप से अपनाया है। यह जनसहयोग भारत की सामूहिक शक्ति का परिचायक है। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नांदेड़ के एक परिवार का उल्लेख किया, जिसने अपनी पारिवारिक खुशियों को समाज के साथ साझा करते हुए 3,500 ग्रामीणों का दुर्घटना बीमा कराया। उन्होंने इसे सामाजिक संवेदनशीलता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि ये योजनाएँ करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं और कठिन समय में उनके लिए मजबूत सहारा बन रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रयासों की सराहना की-प्रधानमंत्री ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक सोच अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने असम में दुर्लभ हरगिला पक्षी के संरक्षण के लिए जीव वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन और हजारों महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे हरगिला आर्मी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सकारात्मक सोच और जनसहभागिता से सामाजिक बदलाव संभव है। युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने नागालैंड की बेबी लीग एवं महिला फुटसल लीग जैसी पहलों की प्रशंसा की और कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण और आत्मविश्वास का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। नई तकनीक और भारतीय संस्कृति के समन्वय पर बल देते हुए उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में प्राचीन शास्त्रार्थ परंपरा के पुनर्जीवन तथा भारतीय भाषाओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए मेघालय के जीवित जड़ पुलों, मध्यप्रदेश के राजगढ़ में प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण तथा गणेश उत्सव में मिट्टी की प्रतिमाओं के उपयोग जैसे प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि 'लोकल फॉर वोकल' को अपनाकर हम पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय कलाकारों और कारीगरों को भी सशक्त बना सकते हैं। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षा जल संचयन को प्रत्येक नागरिक का दायित्व बताते हुए कहा कि पानी की हर बूंद को बचाना हम सबका संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के जन-जन को जोड़ने, सकारात्मक सोच विकसित करने और समाज में सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण की भावना जागृत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण की योजनाओं पर दिए गए संदेशों को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक विचार प्रत्येक भारतीय को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं। उन्होंने कहा कि "जब मन में संकल्प हो और समाज का साथ मिले, तब कोई भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।" यही 'मन की बात' का मूल संदेश है, जिसे प्रत्येक कार्यकर्ता और नागरिक तक पहुँचाना हम सबका दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, बूथ अध्यक्षों, वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाजहित एवं राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

1.138 किलो गांजा के साथ पकड़ी गई महिला को सजा

रायपुर। रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी के मामले में विशेष एनडीपीएस न्यायालय ने महिला आरोपी को दोषी करार देते हुए अभिरक्षा अवधि के बराबर सश्रम कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार, 9 जनवरी 2026 को सूचना मिली थी कि बंधवापारा क्षेत्र में अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा है। सूचना के आधार पर पुरानी बस्ती पुलिस ने छापेमारी की, जहां आरोपी हिना परवीन उर्फ छोटी, पति वसीम खान, निवासी मुस्लिम मोहल्ला, बंधवापारा, रायपुर के कब्जे से 1.138 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। मामले में थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 17/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना पूरी की गई और आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया। प्रकरण की सुनवाई के बाद विशेष एनडीपीएस न्यायालय, रायपुर ने 24 जून 2026 को आरोपी को दोषी ठहराते हुए 9 जनवरी 2026 से 24 जून 2026 तक की अभिरक्षा अवधि के बराबर सश्रम कारावास तथा 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

बैंक लोन का झांसा देकर लगाया लोगों को चपत,आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले एवं नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में संचालित सजग कोरबा-सतर्क कोरबा अभियान के अंतर्गत साइबर पुलिस थाना कोरबा प्रभारी निरीक्षक ललित चंद्रा एवं साइबर टीम के द्वारा साइबर ठगी के एक प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर ठगी की राशि बरामद की गई है। साइबर पुलिस थाना कोरबा में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 04/2026 के अंतर्गत धारा 318(4), 319(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 66(ब), 66(क) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत विवेचना की जा रही थी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी लोगों को बैंक से आसान किस्तों पर लोन दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम देता था। विवेचना में यह भी ज्ञात हुआ कि आरोपी विभिन्न व्यक्तियों को अपने प्रभाव में लेकर उनके नाम पर सिम कार्ड प्राप्त करता था तथा उन्हीं सिम कार्डों का उपयोग साइबर अपराध करने में करता था। घटना के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से संबंधित सिम कार्डों को नष्ट कर देता था। जांच के दौरान आरोपी पुष्पेन्द्र कुमार मेहर (उम्र 25 वर्ष), पिता योगेन्द्र मेहर, निवासी ग्राम सेमरा, थाना डभरा, जिला सक्ती (छ.ग.), हाल मुकाम रिस्दी, थाना बालको, जिला कोरबा से पूछताछ की गई।

इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम के माध्यम से अश्लील फोटो पोस्ट कर वायरल करने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ बीएनएस, पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया ने थाना पुरानी बस्ती में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री से आरोपी ने इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क किया और निजी फोटो प्राप्त कर लिए।

सोनपैरी कबीर आश्रम में संत कबीर जयंती महोत्सव आयोजित

संत कबीर का संदेश आज भी समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक

- संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय
- मुख्यमंत्री श्री साय ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत आज राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के

कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति मिली है तथा 10 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सुरक्षा बलों के साहस और केंद्र सरकार के सहयोग से शांति एवं विकास का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए पीएम जनमन योजना, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा है।

नकली मंगलसूत्र को सोना बताकर 40 हजार की ठगी

रायपुर। पामगढ़ पुलिस ने नकली मंगलसूत्र को असली सोना बताकर ज्वेलरी व्यवसायी से 40 हजार रुपये की ठगी करने वाले दो शातिर आरोपियों को घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की पूरी राशि 40 हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त बलेनो कार जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, 26 जून 2026 को पामगढ़ स्थित केसर लाल एंड संस ज्वेलरी दुकान के संचालक हिमांशु सोनी ने थाना पामगढ़ में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच सफेद रंग की बलेनो कार (ष्टत्र 04 त्तक्कु 6279) से आए दो युवकों ने 50 हजार रुपये की आवश्यकता बताते हुए एक मंगलसूत्र गिरवी रखने की बात कही। आरोपियों में से एक ने खुद को अमित तिवारी बताते हुए नकली खरीद बिल प्रस्तुत किया। बिल और मंगलसूत्र को असली समझकर व्यवसायी ने 40 हजार रुपये दे दिए। आरोपियों के जाने के बाद जांच करने पर पता चला कि गिरवी रखा गया मंगलसूत्र सोने का नहीं, बल्कि बेनटेक्स का नकली आभूषण था। इसके बाद व्यवसायी ने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अकलतरा प्रदीप सोरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की सहायता से पुलिस ने बलौदा बाजार में दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन सोनी (22 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 9।

कन्हारगांव सेवा डेरा में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की लगी जन चौपाल...

- जमीन पर बैठकर ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, आस पास के ग्रामों के लिए 10-10 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा

रायपुर। संवाददाता

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर प्रवास के दौरान नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित कन्हारगांव सेवा डेरा पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जन चौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने जमीन पर बैठकर स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, समाज प्रमुखों, स्व-सहायता समूहों की दीदियों तथा नागरिकों से आत्मीय संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ अब सुरक्षा कैम्प जन सुविधा के केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर पहले सुरक्षा कैम्प संचालित होते थे, उन्हें अब 'वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है। कन्हारगांव स्थित आईटीबीपी कैम्प को भी सेवा डेरा के रूप में परिवर्तित किया गया है, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन सेवा डेरों में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, अस्पताल तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों की सेवा की जाएगी।कार्यक्रम में आये आसपास के 10 ग्रामों के सरपंचों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। उप मुख्यमंत्री ने कन्हारगांव के आस पास के 10 ग्राम में विकास कार्यों के लिए 10-10 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

सरस्वती साइकिल योजना से वैष्णवी के सपनों को मिली नई उड़ान

- नि :शुल्क साइकिल बनी शिक्षा की साथी, अब आत्मविश्वास के साथ तय होगा विद्यालय का सफर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिकाओं के लिए शिक्षा तक पहुँच को आसान बनाने के साथ उनके सपनों को नई दिशा दे रही है। यह योजना केवल एक साइकिल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास, नियमित शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला बन रही है। इसी योजना से लाभान्वित हुईं सूरजपुर जिला के शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा वैष्णवी कसेरा आज अपने सपनों को साकार करने की दिशा में और अधिक उत्साहित हैं। बाजारपारा निवासी वैष्णवी पहले प्रतिदिन पैदल विद्यालय जाया करती थीं, जिससे समय अधिक खपत होने के साथ पढ़ाई पर भी असर पड़ता था। शासन द्वारा नि:शुल्क साइकिल मिलने के बाद अब उनके लिए विद्यालय पहुँचना आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक हो गया है। वैष्णवी कहती हैं, अब मेरे सपनों को नया पंख मिल गया है। पहले पैदल विद्यालय आती-जाती थी, लेकिन अब साइकिल से समय पर विद्यालय पहुँच सकूँगी और मन लगाकर पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करूँगी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे बालिकाओं में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ रहा है, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो रही है और वे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। सरस्वती साइकिल योजना आज प्रदेश की हजारों बेटियों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनके सपनों, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई पहचान बनकर उभर रही है।

नैनो यूरिया से स्वस्थ मिट्टी और खेती की ओर बढ़ रहे किसान...

- ग्राम बावा गठोली के कृषक संपद दास मानिकपुरी ने साझा किए अपने अनुभव

रायपुर/ संवाददाता

कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में जिले के किसान लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम बावाघठोली के कृषक श्री संपद दास मानिकपुरी ने नैनो यूरिया का उपयोग कर खेती में सकारात्मक अनुभव साझा किए हैं। श्री संपद दास मानिकपुरी ने बताया कि स्वस्थ मिट्टी, संतुलित पोषण और टिकाऊ कृषि की दिशा में नैनो उर्वरक एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहे हैं। नैनो यूरिया के उपयोग से पोषक तत्वों का बेहतर प्रबंधन संभव हो रहा है, जिससे फसल को आवश्यक पोषण समय पर प्राप्त होता है। साथ ही यह मिट्टी की जैविक सक्रियता को बनाए रखने तथा पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में नैनो यूरिया का उपयोग करने से आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिला है। यह तकनीक किसानों के लिए एक उपयोगी विकल्प बनकर उभर रही है, जिससे खेती अधिक टिकाऊ और प्रभावी बन सकती है। श्री मानिकपुरी ने जिले के अन्य किसानों से भी वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप नैनो उर्वरकों का उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता को भी लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। किसान का संदेश :नैनो उर्वरक अपनाएं, स्वस्थ मिट्टी और हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

खाली ट्रैक्टर पलटा चालक की मौत.....

रायपुर। जिले के सिहावा थाना क्षेत्र अंतर्गत गड़ियापारा में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। खाली ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सुमन मरकाम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, हादसे की सूचना मिलते ही सिहावा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रैक्टर पलटने के दौरान सुमन मरकाम के शरीर के बाएं हिस्से में गंभीर चोटें आई थीं। विशेष रूप से सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। इस हादसे के बाद गड़ियापारा और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि सुमन मरकाम मेहनती और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी असमय मृत्यु से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही दुर्घटना के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का हुआ भव्य शुभारंभ

रामगढ़ अंचल की ऐतिहासिक,सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहर है

- पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया उद्घाटन
- रामगढ़ सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहर है : मंत्री श्री अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

आषाढ़ मास के प्रथम दिवस पर सरगुजा अंचल की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का शुभारंभ सोमवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया। पारंपरिक गरिमा, सांस्कृतिक उल्लास और ऐतिहासिक चेतना से ओतप्रोत इस आयोजन में लोक संस्कृति, साहित्य, पुरातत्व और पर्यटन का अद्भुत समागम देखने को मिला। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, वहीं नई दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सांसद श्री चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने रामगढ़ महोत्सव के 50 वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामगढ़ केवल सरगुजा ही नहीं, बल्कि पूरे देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान

का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान आगंतुकों को विश्व की प्राचीनतम रंगशाला के रूप में प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इतिहास एवं पुरातत्व विशेषज्ञ इन स्थलों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेंगे, जिससे नई पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकेगी। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव क्षेत्रीय पर्यटन को नई दिशा देने के साथ-साथ सरगुजा की ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि रामगढ़ भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल का समय यहां व्यतीत किया था। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने भी यहीं मेघदूतम् की रचना की थी। सीताबेंगरा, जोगीमारा, राम-जानकी मंदिर तथा हाथीपोल जैसे ऐतिहासिक स्थल विश्व पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से रामगढ़ को विश्वस्तरीय पहचान दिलाई जाएगी। लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि रामगढ़ केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक एवं साहित्यिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहां की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटन की अपार संभावनाओं से परिपूर्ण है। उन्होंने इस धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रचारित एवं संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने उपस्थित अतिथियों एवं नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि रामगढ़ महोत्सव सरगुजा की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर नई पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण मंच है।

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

पासपोर्ट शुल्क में बढ़ोतरी और नागरिकता प्रमाण को लेकर छिड़ा विवाद आम लोगों, छात्रों और श्रमिकों के भविष्य पर गहरा असर डाल सकता है।विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे।सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है।इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है।इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।यही नहीं, पासपोर्ट के नागरिकता का प्रमाण न होने को लेकर एक नई बहस भी छिड़ गई है। विपक्षी दलों का कहना है कि पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र अगर नागरिकता को साबित नहीं करते, तो फिर इसके लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। यह विचित्र बात है कि एक तरफ सरकार का दावा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है और यह कभी भी नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं रहा है, तो दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए पात्रता साबित करने हेतु जिन 12 वैध दस्तावेजों की जरूरत होती है, उनमें पासपोर्ट भी शामिल है।

भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की मूल चेतना मनुष्य जीवन को सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ कृति मानती है। लगभग सभी धर्मग्रंथों में यही कहा गया है। इसलिए जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है। यही कारण है कि भारतीय दर्शन में जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि लोकमंगल और आत्मोन्नति का अवसर माना गया है। मगर विडंबना यह है कि जिस देश में जीवन को ईश्वर का अनुपम उपहार माना जाता है, वहीं आत्महत्या की घटनाएं भयावह गति से बढ़ रही हैं।

अवसाद से बढ़ता जान का जोखिम, आत्महत्या की घटनाएं भयावह गति से बढ़ रही हैं

(विनोद के शाह)

परिवारों को समन्वय और संवाद स्थापित करना होगा, शिक्षा को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा, रोजगार को अधिक सुरक्षित बनाना होगा और मानसिक स्वास्थ्य को सार्वजनिक नीति का हिस्सा बनाना होगा।

भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की मूल चेतना मनुष्य जीवन को सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ कृति मानती है। लगभग सभी धर्मग्रंथों में यही कहा गया है। इसलिए जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है। यही कारण है कि भारतीय दर्शन में जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि लोकमंगल और आत्मोन्नति का अवसर माना गया है। मगर विडंबना यह है कि जिस देश में जीवन को ईश्वर का अनुपम उपहार माना जाता है, वहीं आत्महत्या की घटनाएं भयावह गति से बढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया' रिपोर्ट के आंकड़े केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि वे समाज की टूटती मानसिकता, बढ़ते अकेलेपन और गहराते अवसाद की छिपी दर्दनाक दास्तान हैं। वर्ष 2023-24 में देश में आत्महत्या के मामलों की संख्या अब तक के उच्चतम स्तर पर रही। एक लाख बहत्तर हजार से अधिक लोगों ने स्वयं अपना जीवन समाप्त कर लिया। यह गंभीर स्थिति है।

चिंताजनक तथ्य यह है कि इन आत्महत्याओं में लगभग तीन-चौथाई संख्या पुरुषों की है। भारतीय समाज पुरुष को परिवार का संरक्षक और मुखिया मानता है, लेकिन यही वर्ग आज सबसे अधिक मानसिक दबाव, आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक अपेक्षाओं एवं पारिवारिक तनावों के बोझ तले दबा हुआ है। कभी आत्महत्या के मामलों में महिलाओं की संख्या अधिक हुआ करती थी और तब महिला सुरक्षा तथा सशक्तीकरण को लेकर व्यापक विमर्श हुआ था।

आज परिस्थितियां बदल गई हैं। बेरोजगारी, आर्थिक संकट, पारिवारिक तनाव, बीमारी और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पुरुषों को निराशा के उस अंधकार में धकेल रही है, जहां उन्हें जीवन से अधिक मृत्यु सरल विकल्प प्रतीत होने लगती है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

दिहाड़ी मजदूरों की संख्या सबसे ज्यादा

आत्महत्या के आंकड़ों में दिहाड़ी मजदूरों की संख्या सबसे ज्यादा होना देश की आर्थिक विषमता और रोजगार संकट की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। रोज कमाने और रोज खाने वाले मजदूर, ठेला और रेहड़ी चलाने वाले तथा असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी सबसे अधिक असुरक्षित हैं।

दूसरी ओर सरकारी और निजी क्षेत्रों में संविदा तथा अल्पकालिक नियुक्तियों का बढ़ता चलन भी लाखों युवाओं के भविष्य को अनिश्चित बना रहा है। नौकरी मिलने के बाद भी पेंशन, सामाजिक सुरक्षा और स्थायित्व का अभाव व्यक्ति को निरंतर भय और असुरक्षा में जीने को विवश करता है। जब

रोजगार छिनता है, तब केवल आय नहीं जाती, बल्कि आत्मविश्वास और जीवन का आधार भी टूट जाता है। ऐसे में व्यक्ति स्वयं को बेहद अकेला महसूस करता है।

बच्चों के पास अपनी समस्याएं साझा करने का पर्याप्त अवसर नहीं

भयावह स्थिति विद्यार्थियों के बीच दिखाई देती है। वर्ष 2023-24 में देशभर में 13 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है। यह संख्या पिछले वर्ष से 8.5 फीसद अधिक है। देश में प्रतिदिन लगभग 35 विद्यार्थी जीवन से हार मान रहे हैं। किसी भी विकासशील राष्ट्र के लिए इससे बड़ा दूसरा खतरा नहीं हो सकता है। देश का भविष्य आत्मग्लानि और बोझ समझ जीवन जी रहा है। यह केवल शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना के संकट का भी संकेत है।

आज बच्चे पहले की तुलना में कहीं अधिक अकेला महसूस करते हैं। संयुक्त परिवारों के विघटन ने दादा-दादी, चाचा-चाची और बुआ जैसे आत्मीय रिश्तों को उससे दूर कर दिया है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने के कारण बच्चों के पास अपनी समस्याएं साझा करने का पर्याप्त अवसर नहीं बचा।

दूसरी ओर शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण बच्चों को अंक प्राप्त करने की मशीन में बदल रहा है। अभिभावकों की प्राथमिकता ऐसे विद्यालय बन गए हैं जो उत्कृष्ट परिणामों का विज्ञापन करते हैं, जबकि खेल, रचनात्मकता, नैतिक शिक्षा और व्यक्तित्व विकास जैसे विषय पीछे छूट रहे हैं। स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है, जब बचपन पर तकनीकी प्रतिस्पर्धा का बोझ डाल दिया जाता है।

चिंता की बात है कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास की उपेक्षा हो रही है। योग, खेल, साहित्य, संगीत और नैतिक शिक्षा जैसे विषय जो व्यक्तित्व को संतुलित बनाते हैं, वे हाशिए पर चले गए हैं। परिणामस्वरूप बच्चे तनाव और अलगाव का शिकार हो रहे हैं।

संविधान का अनुच्छेद 21 और 21 ए प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन और शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है। जीवन के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास पैदा करना संविधान की भावना का हिस्सा है, लेकिन आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के नाम पर छात्रावासों और विद्यालयों में केवल पंखों की ऊंचाई बढ़ा देना या उन पर जालियां लगा देना समस्या का समाधान नहीं है।

आवश्यकता बच्चों के मन को समझने, उन्हें संवाद का अवसर देने और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की है। अधिक चिंता का विषय 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में बढ़ती आत्महत्या को लेकर है जो 5.68 फीसद दर से पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ गई है। यह समाज और शासन दोनों के लिए चेतावनी है कि यदि अभी भी बचपन को नहीं बचाया गया, तो आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से असुरक्षित और निराश हो जाएंगी।

प्रत्येक आत्महत्या के पीछे एक टूटा हुआ परिवार

पारिवारिक कारणों से होने वाली आत्महत्याएं भी समाज की बदलती संरचना पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। हजारों पुरुष और महिलाएं पारिवारिक तनाव, वैवाहिक असंतोष तथा संबंधों में बढ़ती दूरियों के कारण जीवन समाप्त कर रहे हैं। वैवाहिक जीवन में समन्वय के अभाव, टूटते रिश्तों और विवाहेतर संबंधों ने भी अनेक परिवारों को बिखेरा है।

आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने संवाद की जगह संदेह और संवेदनाओं की जगह स्वार्थ को बढ़ावा दिया है। शिक्षित युवा जानलेवा नशे का शिकार होकर अपराध और आत्मघात की तरफ बढ़ रहे हैं। वहीं गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों का एक बड़ा वर्ग जीवन के संघर्ष से हार मान रहा है।

कृषि प्रधान देश के लिए यह अत्यंत दुखद है कि किसान और खेतिहर मजदूरों के आत्महत्या कर लेने का आंकड़ा भी 6.3 फीसद तक पहुंच गया है। जो वर्ग पूरे देश का पेट भरता है, वही अपने जीवन की सुरक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष कर रहा है।

इन आंकड़ों को केवल सरकारी रिपोर्ट मान कर अनदेखा नहीं किया जा सकता। प्रत्येक आत्महत्या के पीछे एक टूटा हुआ परिवार, अधूरा सपना और समाज की कोई न कोई विफलता छिपी होती है। आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं है, यह परिवार, समाज और राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा का क्षरण है।

जब कोई विद्यार्थी, किसान, मजदूर या परिवार का मुखिया जीवन से हार मानता है, तब यह संकेत होता है कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाएं अपना दायित्व निभाने में असफल रही हैं।

आवश्यकता केवल भौतिक उपायों की नहीं, बल्कि संवेदनशील समाज के निर्माण की है। परिवारों को समन्वय और संवाद स्थापित करना होगा, शिक्षा को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा, रोजगार को अधिक सुरक्षित बनाना होगा और मानसिक स्वास्थ्य को सार्वजनिक नीति का हिस्सा बनाना होगा। अर्थव्यवस्था में मजबूती से अधिक जरूरी जीवन प्रत्याशा की समृद्धि है।

बड़ा मिशन लेकर सेशेल्स जा रहे हैं मोदी, हिंद महासागर में भारत का मास्टरस्ट्रोक देखेगी दुनिया

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भारत द्वारा सेशेल्स तटरक्षक बल को एक तीव्र गश्ती पोत सौंपना है। इससे पहले भारत दो डोर्नियर विमान, कई गश्ती नौकाएं तथा तटीय निगरानी राडार प्रणाली भी सेशेल्स को प्रदान कर चुका है। भारतीय रक्षा कर्मियों की तैनाती और संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने दोनों देशों के रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी है। समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सेशेल्स भारत पर भरोसा करता है। यही कारण है कि यह यात्रा हिंद महासागर में सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दर्शाता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा। यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल पड़ोसी प्रथम तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ग्लोबल साउथ के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है। इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

(ललित गर्ग)

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है।

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार

वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं। लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है। आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं।

'सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत नेवता में मनरेगा कार्यों का किया निरीक्षण'

मोर गांव मोर पानी : अभियान के तहत जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश'

कोण्डागांव। ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने विकासखंड कोण्डागांव की ग्राम पंचायत नेवता का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) तथा विभिन्न अभिसरण योजनाओं के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों का स्थल पर जाकर जायजा लिया और कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ भोई ने मनरेगा के तहत ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे नवा तरिया (नवीन तालाब) निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इसके साथ ही कृषि विभाग के अभिसरण से निर्मित किए जा रहे चेक डैम निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित तकनीकी अधिकारियों को स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप निर्धारित गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिए। सीईओ ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने आवश्यकतानुसार श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि कार्यों में लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में श्मोर गांव मोर पानीश् अभियान के तहत तालाब निर्माण, चेक डैम, डबरी, जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अधिक से अधिक प्रस्ताव तैयार किए जाएं। इससे ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ भविष्य में जल संकट की समस्या से भी राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ विकास कार्यों को गति देने, श्रमिकों को समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए।

सेवा सेतु पोर्टल पर आय, जाति, निवास के साथ विवाह प्रमाण पत्र व नाम परिवर्तन सेवा भी ऑनलाइन उपलब्ध

कांकेर। जिले के नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 'सेवा सेतु पोर्टल' पर अब आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के साथ-साथ 'विवाह प्रमाण पत्र एवं नाम परिवर्तन सेवा को भी ऑनलाइन उपलब्ध' करा दिया गया है। पूर्व में इन सेवाओं का लाभ नागरिकों को ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त होता था। वर्तमान में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को अब सेवाओं के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर घनश्याम साहू ने बताया कि ऑनलाइन सेवा उपलब्ध होने से आवेदन प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक हो गई है। 'लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करना अनिवार्य है। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया होने के बाद सभी सेवाओं की 'निगरानी जिला कार्यालय स्तर से की जा रही है' एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुसार प्रमाण पत्र जारी करवाए जा रहे हैं। हितग्राही स्वयं या अपने नजदीकी 'सेवा सेतु केंद्र च्वाईस सेंटर पर जाकर आय, जाति, निवास, विवाह प्रमाण पत्र एवं नाम परिवर्तन सहित अन्य सेवाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सभी नागरिकों से अपील गई है कि वे छत्तीसगढ़ शासन की इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाएं एवं अपनी आवश्यक सेवाओं के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आस्था और संस्कृति से लौटे कोण्डागांव के यात्री, पहली बार ट्रेन यात्रा का भी लिया अनुभव

कोण्डागांव। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत गुजरात भ्रमण पर गए कोण्डागांव जिले के यात्री यात्रा पूरी कर सकुशल लौट आए। इस दौरान यात्रियों ने विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेश और जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके अलावा उन्होंने भालका तीर्थ, राम मंदिर, बाणगंगा बीच तथा शाम को आयोजित लेजर लाइट एंड साउंड शो का भी आनंद लिया। यात्रा में शामिल कई ग्रामीणों के लिए यह जीवन का यादगार अनुभव रहा। सूरज तामर, दशमन, अजमीला सोरी और धनारू पोयम ने पहली बार ट्रेन में सफर किया। उन्होंने बताया कि पहली बार रेल यात्रा और देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर मिलने से वे बेहद उत्साहित रहे। यात्रा में शामिल रीता चालकी ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत आयोजित इस यात्रा में शामिल होना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात रही। उन्होंने सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए, भालका तीर्थ, राम मंदिर और बाणगंगा बीच का भ्रमण किया तथा लेजर लाइट शो का आनंद लिया। उन्होंने इस यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। यात्रा में रीता चालकी, नानकी वैष्णव, दुर्गेश्वरी, सोनमणि सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे। यात्रा का समन्वय एवं संचालन जिला नोडल अधिकारी रामकुमार कुंजाम ने किया। यात्रियों ने बताया कि यह भ्रमण धार्मिक आस्था के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से जानने का भी अवसर बना।

हमारी सरकार की दो सबसे अहम प्राथमिकताएँ हैं 'विकास' और 'शिक्षा' : केंद्रीय राज्य मंत्री साहू

जगदलपुर। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में 'वार्तालाप' नामक एक विशेष मीडिया संवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्षः नक्सलवाद से विकास और विश्वास की ओर बढ़ता बस्तर के मुख्य विषय पर केंद्रित यह कार्यशाला क्षेत्र में हुए परिवर्तनकारी सामाजिक-आर्थिक बदलावों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई। इस संगोष्ठी में विस्तार से बताया गया कि कैसे पिछले 12 वर्षों की लक्षित कल्याणकारी नीतियों ने बस्तर को वामपंथी उग्रवाद के साए से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है और इसे विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार तथा जन-विश्वास की एक नई प्रगतिशील राह पर अग्रसर किया है। कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं और उपलब्धियों का एक व्यापक लेखा-जोखा साझा किया। उन्होंने रेखांकित किया कि बस्तर जैसे सुदूर क्षेत्रों के सतत परिवर्तन के लिए शिक्षा और विकास दो सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बने हुए हैं। मंत्री साहू ने कहा कि सुशासन की संकल्पना तब तक अधूरी है जब तक कि शिक्षा का प्रकाश बस्तर के सुदूर कोनों तक नहीं पहुंच जाता और हर नागरिक विकास की मुख्यधारा से नहीं जुड़ जाता। उन्होंने उल्लेख किया कि दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से, सरकार लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सफल रही है, विशेष रूप से उन लोगों के जो ऐतिहासिक रूप से वंचित और पिछड़े क्षेत्रों में रह रहे हैं। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के सांख्यिकीय मील के पत्थरों को प्रस्तुत करते हुए, साहू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इन पहलों ने देश और बस्तर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को समान रूप से पुनर्जीवित किया है। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए, 58 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिससे बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा गया है। मुद्रा योजना के तहत, जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 57 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के 15 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यमियों को सीधे तौर पर मजबूत करना शामिल है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत, मुफ्त राशन वितरण के माध्यम से 81 करोड़ से अधिक नागरिकों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, जिसने 25 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बुनियादी ढांचे और बुनियादी जरूरतों से जुड़ी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और नोट किया कि गरीबों के लिए पक्के मकान के सपने को पूरा करने के लिए 4 करोड़ से अधिक ग्रामीण और शहरी आवासों का निर्माण किया गया है। उज्ज्वला योजना ने 11 करोड़ से अधिक मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाया है, जबकि 5 लाख से अधिक गांवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया जा चुका है और वहां बुनियादी सुविधाएं संतृप्त की गई हैं। साहू ने कृषि और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते वैश्विक कदमों की ओर भी इशारा किया और कहा कि भारत दुनिया में मोटे अनाज (मिलेट्स) का सबसे बड़ा उत्पादक देश बनकर उभरा है।

किरंदुल में मनाई गई देव स्नान पूर्णिमा, भगवान जगन्नाथ का 108 कलशों के जल से हुआ अभिषेक

किरंदुल। देव स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर लौहनगरी किरन्दुल स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में 29 जून सोमवार सुबह 10 बजे भगवान जगन्नाथ,भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा का पारंपरिक स्नान उत्सव विधिवत रूप से आयोजित किया गया।यह कार्यक्रम रथ यात्रा की पूर्व तैयारी का एक प्रमुख भाग होता है।मंदिर समिति के अध्यक्ष आर सी नाहक ने जानकारी देते हुए बताया कि स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान को 108 पवित्र कलशों के जल से अभिषेक हुआ,जिसमें पंचामृत स्नान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यह विशेष पूजन प्रारंभ हुआ।इसके बाद भगवान को शीतल वस्त्र धारण कराए गया और सुंदर श्रृंगार के साथ भक्तों को दर्शन दिए जाएंगे।इस अवसर पर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन,प्रसाद वितरण और सामूहिक पूजा का आयोजन भी किया गया है।मंदिर समिति ने नगरवासियों,श्रद्धालुओं एवं भक्ति अनुष्ठान में सम्मिलित हुए और भगवान के स्नान-दर्शन का लाभप्राप्त किया।यह आयोजन आगामी 16 जुलाई को निकलने वाली रथ यात्रा का प्रारंभिक चरण हैं,जिसमें स्नान के बाद भगवान अनवस्था काल में विश्राम करने चले जाते हैं और फिर रथ यात्रा के दिन स्वस्थ होकर नवविग्रह स्वरूप में नगर भ्रमण करेंगे।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को मिलेगी कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क आवासीय शिक्षा

सुकमा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने एवं उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना संचालित की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पात्र विद्यार्थियों से 22 जून से 3 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। श्रम पदाधिकारी, सुकमा ने डिटेल जानकारी देते हुए बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं प्रतिस्पर्धी अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने भविष्य को सशक्त बना सकें। योजना के तहत ऐसे निर्माण श्रमिकों के बच्चों को लाभ प्रदान किया जाएगा, जिनका पंजीयन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में कम से कम एक वर्ष पूर्व से वैध रूप से दर्ज हो। योजना का लाभ श्रमिक की प्रथम दो संतानों को दिया जाएगा, जो वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 6वीं में प्रवेश ले रहे हों। प्राप्त आवेदनों में पात्र विद्यार्थियों का चयन शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं चयन प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को प्रदेश के चयनित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में प्रवेश प्रदान किया जाएगा। यहां विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को आवास, भोजन, अध्ययन सामग्री, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा समग्र व्यक्तित्व विकास के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत 05 वर्ष तक बच्चों को दी गई पोलियो की खुराक

कांकेर। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत जिले में आज शून्य से 05 वर्ष तक बच्चों को पोलियो दो बून्द खुराक पिलाकर तीन दिवसीय अभियान की शुरूआत किया गया। जिला चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु रोग विभाग अलबेलापारा कांकेर में नगरपालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक एवं महेश जैन व पार्षद उगेश्वरी उइके ने बच्चों को पोलियो की दो बून्द खुराक देकर अभियान की शुरूआत करते हुए उन्होंने जिले के सभी पालकों से शून्य से 05 वर्ष तक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने की अपील की। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. ओ.पी. शंखवार सहित स्वास्थ्य अमला मौजूद थे। इस अभियान के तहत प्रथम दिवस को पोलियो बूथ पर ही बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी तथा दूसरे एवं तीसरे दिवस को छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी, इसके लिए 1,274 घर-घर भ्रमण दल सदस्य तथा 31 ट्रांजिट टीम सदस्य तैनात किए गए हैं। इस अभियान के तहत जिले के 0 से वर्ष आयु वर्ग के 76,544 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि 27 मार्च 2014 को भारत को पोलियो-मुक्ति का प्रमाण-पत्र मिलना एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय उपलब्धि है। तब से भारत 14 वर्ष से अधिक समय से पोलियो-मुक्त है। विश्व स्तर पर वाइल्ड पोलियो वायरस का प्रसार अभी भी बच्चों को प्रभावित कर रहा है, जिसमें भारत के कुछ पड़ोसी देश भी शामिल हैं, जिससे रोग के पुनः संक्रमण का जोखिम बना हुआ है।

जिला पत्रकार संघ बीजापुर की कार्यकारिणी में बदलाव

ईश्वर लाल सोनी बने सचिव, गौतम राव और दीपक मरकाम को मिली उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

बीजापुर। जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब बीजापुर की कार्यकारिणी में संगठनात्मक बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियों का वितरण किया गया है। अध्यक्ष के. संतोष कुमार ने संगठन में बेहतर समन्वय, सक्रियता और आगामी कार्यों के सुचारू संचालन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की हैं। साथ ही संगठन के चुनावी एवं अनुशासनात्मक कार्यों के लिए समितियों का भी गठन किया गया है।

सोमवार को पत्रकार भवन में आयोजित बैठक में 42 सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा लंबित सदस्यता शुल्क पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों ने विलंब शुल्क सहित सदस्यता राशि जमा करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ईश्वर लाल सोनी को सचिव, श्रीनिवास कोयलकर को सह सचिव, बी. गौतम राव (बीजापुर) एवं दीपक मरकाम (भोपालपटनम) को उपाध्यक्ष, समैया पागे को मीडिया प्रभारी तथा सुरेश परतागिरी को सह मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। इसके अलावा संगठन के आगामी निर्वाचन कार्यों के संचालन हेतु मो. अयूब खान एवं अशोक मिश्रा को निर्वाचन समिति का सदस्य बनाया गया है। अनुशासन समिति का भी गठन किया गया, जिसमें कमलेश्वर सिंह पैकरा को अध्यक्ष तथा मुर्गेश शेट्टी एवं गणेश मिश्रा को सदस्य नियुक्त किया गया है। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, पत्रकार हितों की रक्षा तथा भविष्य की गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

मानसून में बढ़ा गलघोंटू बीमारी का खतरा : पशुपालकों को सतर्क रहने की सलाह, टीकाकरण पर दिया जोर

सुकमा। मानसून की शुरुआत के साथ ही जिले में पशुओं में फैलने वाली खतरनाक जीवाणुजनित बीमारी गलघोंटू (एचएस) या बघरा को लेकर जिला प्रशासन और पशु चिकित्सा विभाग ने किसानों एवं पशुपालकों को सतर्क रहने की अपील की है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन तथा उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. संदीप इंदुरकर के मार्गदर्शन में जनहित सूचना जारी कर बताया गया है कि यह रोग मुख्य रूप से गाय, भैंस और भेड़ जैसे चौपायों को प्रभावित करता है, जिससे उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता घट जाती है और कई मामलों में पशुओं की मृत्यु भी हो सकती है। पशुधन विकास विभाग के अनुसार इस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में पशुओं का तेज बुखार, गले और जबड़े के नीचे सूजन, मुंह से अत्यधिक लार निकलना, नाक से स्राव होना तथा सांस लेने में कठिनाई शामिल हैं। संक्रमित पशुओं के गले से घरघराहट की आवाज भी सुनाई देती है और वे अचानक चारा खाना बंद कर देते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर पशुपालकों को तत्काल सतर्क होकर प्राथमिक उपचार शुरू करने और पशु चिकित्सकों से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

'वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, संरक्षण एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित'

कोंडागांव। नालसा/सालसा के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी' के निर्देशानुसार एवं 'सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय' के नेतृत्व में नालसा द्वारा निर्धारित थीम वरिष्ठजन अधिकार, सशक्तिकरण और गरिमा के तहत आज बाजार स्थल, कोण्डागांव में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर प्रचार-प्रसार किया गया। शिविर में 'प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट एवं अधिकार मित्र रंजन कुमार बैध, तरूणा ध्रुव व पूर्णिमा भण्डारी' उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं, संरक्षण सबंधी प्रावधानों तथा न्याय तक उनकी सुगम पहुंच के सबंध में जागरूक करना था। शिविर में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों एवं आमजन को वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एव कल्याण से संबंधित विधिक प्रावधानों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, वृद्धा पेंशन, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने हेतु उपलब्ध कानूनी उपायों से भी अवगत कराया गया। प्रचार-प्रसार के दौरान प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेंद्र भट्ट ने बताया कि प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने, सामाजिक सुरक्षा प्राप्त करने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता एवं न्याय प्राप्त करने का अधिकार है। शिविर में उपस्थित लोगों को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता एवं सम्मान का भाव रखने का संदेश भी दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

डीएईएसआई के नए बैच हेतु नामांकन 15 जुलाई तक

बिलासपुर/ कार्यालय परियोजना संचालक (आत्मा) सह उप संचालक कृषि द्वारा DAESI (Diploma in Agricultural E&tension Services for Input Dealers) के नवीन बैच के लिए पात्र इच्छुक उम्मीदवार एवं इनपुट डीलरों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिले के सभी विकासखंडों बिल्हा, तखतपुर, मस्तूरी एवं कोटा के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के इच्छुक एवं पात्र इनपुट डीलरों से आवेदन प्राप्त कर निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित 15 जुलाई 2026 तक कार्यालय परियोजना संचालक (आत्मा), बिलासपुर को भेजना सुनिश्चित करें। आवेदन के साथ अभ्यर्थियों को शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र न्यूनतम 10+2 या नियमानुसार पात्रता, आधार कार्ड, पासपोर्ट रंगीन फोटो, निर्धारित प्रारूप में शपथ-पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। कृषि विभाग ने सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है, ताकि डीएईएसआई पाठ्यक्रम के नए बैच में प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूर्ण की जा सके।

जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 1 जुलाई को केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव करेंगे छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत

बिलासपुर। जिले में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन 1 जुलाई को सवेरे 11 बजे से सेजेस लाल बहादुर शास्त्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभा भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू होंगे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक सर्वश्री अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव एवं दिलीप लहरिया शामिल होंगे। इसके अलावा महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी तथा जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता संतोष कश्यप भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। शाला प्रवेशोत्सव के दौरान विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया जाएगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के साथ ही नियमित अध्ययन एवं अनुशासन का संदेश दिया जाएगा।

बिलासपुर सेंट्रल जेल में हादसाः नहाते समय फिसलकर गिरे आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदी की मौत

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित बिलासपुर केंद्रीय जेल में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। नहाने के दौरान पैर फिसलने से एक बंदी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान तखतपुर निवासी 62 वर्षीय जनकराम साहू के रूप में हुई है, जो हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था।जानकारी के अनुसार, जनकराम साहू रविवार सुबह जेल परिसर में स्नान कर रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गिरकर पत्थर से टकरा गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। जेल प्रशासन ने तत्काल उसे सिम्स अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।घटना के बाद जेल प्रबंधन ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जेल अधीक्षक के अनुसार यह पता लगाया जा रहा है कि बंदी के गिरने की वजह स्नान स्थल पर काई के कारण हुई फिसलन थी या दुर्घटना के पीछे कोई अन्य कारण था। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नगर सैनिक का पति घर में लगाकर फरार, जांच में जुटी पुलिस

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के गर्ल्स हाई स्कूल पारा में एक नगर सैनिक के ड्यूटी पर जाने के बाद उसके पति ने कथित तौर पर घर में आग लगा दी और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, नगर सैनिक के ड्यूटी पर निकलने के कुछ ही देर बाद उसके पति ने घर को आग के हवाले कर दिया। आग की लपटें उठती देख स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आग को फैलने से रोकने के लिए सबसे पहले आसपास के घरों को खाली कराया गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगाने के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। घटना के बाद आरोपी पति फरार बताया जा रहा है।

जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर आज नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे ने जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में आज तखतपुर विकासखंड अंतर्गत उस्लापुर के शासकीय प्राथमिक शाला घुरु की शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सहित अन्य सदस्यों ने नगर निगम आयुक्त के समक्ष स्कूल के जर्जर हो चुके किचन कक्ष के संबंध में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि किचन रूम पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, जिससे वहां कभी भी कोई बड़ी अप्रिय घटना हो सकती है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्होंने जल्द से जल्द सेंटर किचन के माध्यम से मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है। मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत दर्राभांठा से आए ग्रामीण धनसाय पात्रे ने बताया कि सरपंच एन.एल. धृतलहरे एवं मनोज बारले द्वारा 30-35 वर्ष पुराने एक सार्वजनिक हैंडपंप में बोर फिटकर उसे कब्जा कर लिया गया है। जिससे पूरे मोहल्ले में पानी का भारी संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने जांच कर दोषियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सीपत तहसील के ग्राम कुकुदा निवासी प्रभा बाई साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि को आशा मरकाम द्वारा आहरण करने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनके आवास की राशि को आशा मरकाम नामक महिला ने फर्जी तरीके से आहरण कर लिया। पुलिस में शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने पर उन्होंने जनदर्शन में राशि वापस दिलाने की गुहार लगाई है। इसी तरह, ग्राम जलसो

निवासी 64 वर्षीय बुजुर्ग किसान अशोक शुक्ला पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने की मांग की है। 3.40 एकड़ कृषि भूमि के पात्र स्वामी होने और चॉइस सेंटर में कई बार फॉर्म भरने के बावजूद उन्हें योजना की शुरुआत से लेकर आज तक एक भी किश्त प्राप्त नहीं हुई है। बोदरी तहसील के ग्राम पंचायत सरवानी के ग्रामीणों ने गांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बिजली संकट के संबंध में ज्ञापन दिया है। स्कूल में नया ट्रांसफार्मर न होने के कारण विद्युत आपूर्ति लगातार बाधित रहती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान आ रहा है। उन्होंने बच्चों के भविष्य को देखते हुए जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर स्थापित करने का आग्रह किया है। इसी तरह का लोफंदी से पहुंचे नेतराम, जयराम और सुदर्शन सहित अन्य गरीब भूमिहीन किसानों ने बताया कि शासन द्वारा उन्हें जीवन यापन के लिए दी गई जमीन पर कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा कर लिया है और अधिकारियों द्वारा सीमांकन संबंधी कार्यवाही नहीं की जा रही है। शहर के मोपका निवासी भगवती प्रसाद ने जनदर्शन में अपनी पुत्री कुमारी अंशिका का प्रवेश स्वामी आत्मानंद स्कूल (हिंदी माध्यम) लिंगियाडीह में दिलाने की गुहार लगाई। आज जनदर्शन में आवास, अवैध कब्जा, भूमि और राजस्व संबंधी शिकायतें मिली। नगर निगम आयुक्त श्री सर्वे ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने एवं समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

अमर अग्रवाल ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की....

बिलासपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नगर विधायक अमर अग्रवाल ने अपने विदेश यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष नमन करना उनके लिए अत्यंत गौरव और भावुकता का क्षण रहा। सहपरिवार इस ऐतिहासिक स्थल पर भारत के तिरंगे की गरिमा, मातृभूमि के सम्मान और भारतीय संस्कृति की वैश्विक प्रतिष्ठा को निकट से अनुभव करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, संस्कार और महापुरुषों के आदर्शों ने पूरे विश्व में देश का मान बढ़ाया है। महात्मा गांधी जी के सत्य,

अहिंसा और मानवता के विचार आज भी विश्व को शांति, सद्भाव और सेवा का मार्ग दिखा रहे हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक भारतीय के लिए यह गर्व का विषय है कि हमारे महापुरुषों के विचारों और भारतीय संस्कृति का सम्मान विश्व स्तर पर किया जाता है। ऐसे क्षण हर भारतीय के मन में देश के प्रति गौरव, सम्मान और आत्मीयता की भावना को और अधिक सशक्त करते हैं।

घर में घुसकर तलवार और लाठी-डंडों से हमला, 4 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। सरकंडा थाना पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट और जानलेवा हमला करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में एक विधि से संघर्षरत बालक को भी निरुद्ध कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक धारदार तलवार भी जब्त की है।पुलिस के अनुसार, घटना 26 जून 2026 की रात करीब 11:30 बजे अपोलो चौक, लिंगियाडीह के पास हुई। प्रार्थी निखिल ध्रुव अपने साथियों आदित्य दास महंत और रवि गंधर्व के साथ खड़ा था। इसी दौरान आरोपियों ने वाहन से टक्कर मारने के बाद गाली-गलौज शुरू कर दी और लाठी-डंडों तथा तलवार से हमला कर दिया। हमले से बचने के लिए घायल पास के एक मकान में घुस गए, लेकिन आरोपी वहां भी पहुंच गए और घर के अंदर घुसकर उनकी बेरहमी से पिटाई की। हमले में पीड़ितों के सिर, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। पीड़ित की शिकायत पर सरकंडा थाना में अपराध क्रमांक 969/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में सन्नी अहिरवार उर्फ बउवा अहिरवार (20), संजय विश्वकर्मा उर्फ संजू (20), मुकेश यादव उर्फ मुक्की (25) और राहुल यादव उर्फ छोटू (26) शामिल हैं। सभी आरोपी लिंगियाडीह क्षेत्र के निवासी हैं। आरोपी सन्नी अहिरवार के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार तलवार बरामद होने पर मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 भी जोड़ी गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 296, 115(2), 351(3), 191(2), 191(3) एवं 331(2) तथा आर्म्स एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया, जबकि मामले में शामिल विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

भीषण गर्मी और उमस से ग्रामीण परेशान.....

कोरबा। जिले के बरपाली विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत आने वाले तुमान फीडर क्षेत्र में लगभग 17 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप्प रहने से ग्रामीणों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। भीषण गर्मी और उमस के बीच आधा दर्जन से अधिक ग्रामो के लोगों ने पूरी रात जगरता कर बिताई। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बावजूद न तो बिजली विभाग के अधिकारियों ने फोन उठाया और न ही समय पर समस्या का समाधान किया गया। जानकारी के अनुसार 28 जून की शाम लगभग 4 बजे से तुमान फीडर में बिजली आपूर्ति बाधित है। विद्युत विभाग की ओर से ग्रामीणों को 11केवी लाइन में ब्रेकडाउन और फॉल्ट होने की जानकारी दी गई, लेकिन देर रात तक सुधार कार्य शुरू नहीं हो सका। इससे सलिहाभांठा, बंधवाभांठा, डोंगरीभांठा, पकरिया, सराईडीह सहित आधा दर्जन से अधिक ग्राम अंधेरे में डूबे रहे। सबसे अधिक परेशानी पूर्व सांसद स्वर्गीय डॉ. बंशीलाल महतो के गृहग्राम पंचायत सलिहाभांठा और पूर्व विधायक ननकीराम कंवर के गृह क्षेत्र के ग्रामीणों को उठानी पड़ी। बिजली नहीं होने से लोग पूरी रात गर्मी और उमस में जागते रहे, जबकि सुबह होते ही बिजली आपूर्ति बाधित रहने से पेयजल संकट भी गहरा गया। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से निजी बोरवेल, पानी की मोटर और अन्य विद्युत उपकरण पूरी तरह बंद पड़े हैं। ग्राम की नल-जल योजना भी अधूरी होने के कारण अधिकांश लोग निजी बोर और हैंडपंप पर निर्भर हैं। बिजली नहीं रहने से पानी की आपूर्ति भी बाधित हो गई। वहीं मोबाइल फोन डिस्चार्ज हो गए

जोनल रेलवे बिलासपुर में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 77वीं बैठक संपन्न

बिलासपुर। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की 77वीं बैठक श्री तरूण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में आज दिनांक 30 जून 2026 को महाप्रबंधक सभाकक्ष में संपन्न हुई । बैठक के प्रारंभ में श्री मो.जावेद मज़हर, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान वित्त सलाहकार ने अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, सभी विभागाध्यक्षों, बैठक में ऑनलाईन उपस्थित मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक, कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक तथा अन्य सदस्यों का स्वागत किया । बैठक के आरंभ में राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका जिज्ञासा के 18वें अंक का विमोचन अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, श्री तरूण प्रकाश के करकमलों से किया गया । तदुपरांत अखिल रेल हिंदी नाट्योत्सव-2025 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रधान कार्यालय, बिलासपुर की एक महिला कलाकार को अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके पश्चात श्री मो. जावेद

मज़हर, उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर द्वारा बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत दी गई, जिस पर सदस्यों ने विस्तारपूर्वक चर्चा की । अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, श्री तरूण प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा भी है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के अधिकांश कार्मिकों की मातृभाषा हिंदी है और उनके लिए हिंदी में कार्य करना अधिक सरल एवं सुविधाजनक है । सभी रेल कार्मिक सरकारी कामकाज हिंदी में करें ताकि गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके । उन्होंने आगे कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी विभागों में धारा 3(3) के दस्तावेज द्विभाषी में ही जारी हों । इसके साथ ही उन्होंने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी कार्यालयों में राजभाषा नीति का कड़ाई से अनुपालन करने के भी निर्देश दिये । श्री मो.जावेद मज़हर, उपाध्यक्ष एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी ने स्वागत भाषण में कहा कि मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में इस रेलवे में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा इस बैठक में की जायेगी ।

फायर सेफ्टी में बड़ी लापरवाही उजागर 2 कोचिंग संस्थान और 2 होटल सील...

■ निरीक्षण में कई लाइब्रेरी में भी मिलीं गंभीर खामियां, नोटिस जारी कर संचालन बंद करने के निर्देश

बिलासपुर। शहर में कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और आवासीय लॉज में अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी अब भारी पड़ने लगी है। जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को मंगला चौक से उसलापुर तक संचालित कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और लॉज का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई जगह गंभीर सुरक्षा खामियां सामने आने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो कोचिंग संस्थानों और दो होटलों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया, जबकि दो लाइब्रेरी को नोटिस जारी कर कमियां दूर होने तक संचालन बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान दिल्ली आईएएस कोचिंग, उड़ान आईएएस, भारतीय कृषि कोचिंग इंस्टीट्यूट, शारदा लाइब्रेरी, ऑफिसर्स लाइब्रेरी, बिलासा लाइब्रेरी, शिवाय लाइब्रेरी और 24म7 लाइब्रेरी सहित कई संस्थानों की जांच की गई। टीम ने पाया कि अनेक संस्थानों में अग्निशमन उपकरण उपलब्ध नहीं थे, अध्ययन कक्षों में निर्धारित क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाया जा रहा था तथा आपातकालीन निकासी की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं थी। इन संस्थानों पर हुई सख्त कार्रवाई- निरीक्षण में शिवाय लाइब्रेरी और भारतीय कृषि कोचिंग इंस्टीट्यूट में सबसे गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

यहां फायर सेफ्टी उपकरणों का अभाव, अध्ययन कक्षों में अत्यधिक भीड़, संकरे प्रवेश एवं निकासी मार्ग तथा इमरजेंसी एग्जिट नहीं पाए गए। संभावित दुर्घटना की आशंका को देखते हुए दोनों संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं बिलासा लाइब्रेरी और शारदा लाइब्रेरी में भी सुरक्षा संबंधी कमियां मिलने पर नोटिस जारी करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी होने तक संचालन बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। दो होटल भी प्रशासन की कार्रवाई की जद में- कार्रवाई केवल कोचिंग संस्थानों तक सीमित नहीं रही। निरीक्षण दल पुराना बस स्टैंड क्षेत्र स्थित होटल रायल रामा और होटल अशोका इन भी पहुंचा। जांच में दोनों होटल पर्याप्त अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के बिना संचालित पाए गए। फायर सेफ्टी मानकों का उल्लंघन मिलने पर दोनों होटलों को भी तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। अन्य संस्थानों को भी दी गई चेतावनी- प्रशासन ने अन्य कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भवनों में अग्निशमन उपकरण अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं, प्रवेश एवं निकासी मार्गों पर स्पष्ट संकेतक लगाएं।

बिलासपुर में पुरानी रंजिश का खूनी खेल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने पहले छोटे मालवाहक वाहन से उन्हें कुचलने की कोशिश की, फिर डंडों, पाइप और धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों घायलों का इलाज छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में जारी है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने एक नाबालिग समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे लिंगियाडीह निवासी आदित्य महंत और रवि गंधर्व अपोलो चौक के पास खड़े थे। इसी दौरान चिंगराजपारा की ओर से तेज रफ्तार में आए एक छोटे मालवाहक वाहन ने कथित तौर पर उन्हें जानबूझकर टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन से उतरे बांड्या और बऊवा ने गाली-गलौज शुरू कर दी। कुछ ही देर में अमन नायडू भी कार से मौके पर पहुंच गया।आरोप है कि तीनों ने मिलकर आदित्य और रवि पर डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में आदित्य के सिर, कान और सीने में गंभीर चोटें आईं, जबकि रवि की आंख और पैरों में गंभीर चोट लगी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सिम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

किन देवी-देवताओं को लगता है कौन सा भोग

सनातन धर्म में पूजा-पाठ को बहुत अधिक महत्व दिया गया है। शास्त्रों में पूजा-पाठ की विधि और नियम बताए गए हैं। पूजा-पाठ करते समय सभी विधियों और नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। ताकि भगवान प्रसन्न हो जाएं। पूजा-पाठ की विधियों में ही शामिल है भगवान को भोग अर्पित करना। पूजा-पाठ में सबसे पहले देवी-देवताओं को बुलाने के लिए उनका आह्वान किया जाता है। फिर विधि और नियमानुसार की उनकी पूजा की जाती है। इसी दौरान देवी-देवताओं को भोग लगाया जाता है।

किन देवी-देवताओं को कौन सा भोग है प्रिय?

भगवान शिव: पंचामृत भगवान शिव का प्रिय भोग माना जाता है। शिवलिंग पर दूध, दही, शहद, शक्कर, घी से बना पंचामृत अर्पित करना बहुत शुभ माना जाता है। शिव जी को रेवड़ी, चिरौंजी और मिश्री भी चढ़ाया जा सकता है। सावन में गुड़, चना और चिरौंजी भोग लगाने से भगवान शिव प्रसन्न होकर सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

भगवान विष्णु: भगवान विष्णु को खीर, सूजी के हलवे, किशमिश, बारीक कतरे हुए बादाम, नारियल की कतरन, काजू, पिस्ता, चारौली, पिसे मखाने, इलायची और केसर मिली हुए खीर का भोग लगाया जा सकता है। भोग में तुलसी के पत्ते जरूर डालें। क्योंकि तुलसी के पतों के बिना भगवान कोई भोग स्वीकार नहीं करते।

मां लक्ष्मी: लक्ष्मी जी को सफेद और पीले रंग की मिठाई और केसर-भात अर्पित करें। मान्यता है कि इन चीजों का भोग लगाने से माता रानी प्रसन्न होती हैं और घर में धन का आगमन होता है।

गणेश जी: गणेश जी को मोदक या लड्डू का भोग अति प्रिय है। गणेश जी की पूजा करते समय शुद्ध घी से बने मोतीचूर के लड्डू भोग में अर्पित करें। भगवान को नारियल, तिल और सूजी से बने लड्डू भी भोग में चढ़ा सकते हैं।

हनुमान जी: हनुमान जी के कई प्रिय भोग हैं। जैसे- हलवा, पंच मेवा, गुड़ से बने लड्डू, डंठल वाला पान, बूंदी और केसर-भात। इन चीजों का भोग लगाने से बजरंगबली तुरंत प्रसन्न होते हैं।

भगवान श्रीराम: भगवान श्रीराम को केसर भात, खीर, धनिए से बने भोग को अर्पित करना चाहिए। भगवान को कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन भी भोग के रूप में प्रिय हैं।

माता दुर्गा: माता दुर्गा को खीर, केले, मालपुए, हलवा, नारियल और मिठाई का भोग लगाना चाहिए। नवरात्रि के समय काला चना और हलवे का भोग लगाना चाहिए।

श्रीकृष्ण: भगवान श्रीकृष्ण को भोग के रूप में माखन और मिश्री अति प्रिय है। खीर, हलवा और मावा-मिश्री के लड्डू को भोग के रूप में बहुत पसंद है, भगवान को इन्हीं चीजों का भोग लगाना चाहिए।

बार-बार झूठ बोलने के पीछे हो सकता है ये ग्रह दोष

ऐसे करें उपाय!

हम अक्सर अपने आसपास कुछ ऐसे लोगों को देखते हैं जो बात-बात पर झूठ बोलते हैं। कई बार तो वे बिना किसी वजह या बिना किसी फायदे के भी झूठ बोल जाते हैं। सामान्य तौर पर इसे एक बुरी आदत मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र के दृष्टिकोण से यह केवल एक आदत नहीं है। बार-बार झूठ बोलने या पीठ पीछे दूसरों की बुराई करने के पीछे कुंडली के गंभीर ग्रह दोष जिम्मेदार हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि झूठ बोलने के पीछे कौन से ग्रह जिम्मेदार होते हैं और इसके अशुभ प्रभावों से बचने के क्या उपाय हैं।

कौन-से ग्रह का होता है प्रभाव?

ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को वाणी, बुद्धि, संवाद और तर्क का कारक माना गया है। यदि जन्म कुंडली में बुध ग्रह कमजोर, नीच राशि में हो या राहु अथवा अन्य अशुभ ग्रहों से प्रभावित हो, तो व्यक्ति की वाणी में असत्य, भ्रम या बातों को तोड़-मरोड़कर कहने की आदत बढ़ सकती है। वहीं राहु को भ्रम, छल, मायाजाल और असत्य से भी जोड़ा जाता है। यदि राहु का प्रभाव अधिक हो, तो व्यक्ति कई बार बिना आवश्यकता के भी सच छिपाने या झूठ बोलने की आदत विकसित कर सकता है।

बार-बार झूठ बोलने के क्या हो सकते हैं नुकसान?

आदतन झूठ बोलने से सबसे पहले विश्वास टूटता है। परिवार, मित्र और कार्यस्थल पर लोगों का भरोसा कम होने लगता है। धीरे-धीरे व्यक्ति को रिश्तों में दूरी और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए केवल ग्रह दोष ही नहीं, बल्कि अपनी आदतों में सुधार करना भी जरूरी माना जाता है।

बुध ग्रह को मजबूत करने के उपाय

यदि ज्योतिषीय दृष्टि से बुध ग्रह कमजोर माना जाए, तो बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करें और ओम बुं बुधाय नमः मंत्र का श्रद्धा के साथ जाप करें। मान्यता है कि इससे बुध ग्रह की शुभता बढ़ती है और वाणी में मधुरता आती है।

राहु के अशुभ प्रभाव को कम करने के उपाय

राहु के प्रभाव को शांत करने के लिए शनिवार के दिन जरूरतमंद लोगों की सहायता करना, तिल का दान करना और भगवान शिव की पूजा करना लाभकारी माना जाता है। कई लोग नियमित रूप से महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इससे मन में स्थिरता और सकारात्मक सोच विकसित होती है।

छोटा सा 1BHK फ्लैट भी दिखेगा फाइव स्टार होटल जैसा

बस अपनानी होंगी ये सिंपल डेकोर ट्रिक्स

बहुत से लोगों का यह सपना होता है कि उनका छोटा सा 1BHK फ्लैट भी आलीशान और बड़ा सा दिखाई दे। लेकिन अक्सर हम यह सोचकर रुक जाते हैं कि अपने छोटे से घर को भी एक लग्जरी लुक देने के लिए हमें ढेर सारे पैसे खर्च करने पड़ेंगे। अगर आपका भी मानना यही है, तो आप पूरी तरह से ही गलत हैं। एक सही प्लानिंग, थोड़ी सी समझदारी और कुछ सिंपल इंटीरियर डेकोरेशन ट्रिक्स की मदद से आप अपने छोटे से छोटे फ्लैट को भी आसानी से एक फाइव स्टार होटल जैसा प्रीमियम लुक दे सकते हैं। अगर आप भी अपने 1BHK फ्लैट को एक नया और प्रीमियम मेकओवर देना चाहते हैं, तो इंटीरियर एक्सपर्ट्स की ये आसान ट्रिक्स आपके बहुत काम आएंगी। तो चलिए इन ट्रिक्स के बारे में डिटेल से आपको बताते हैं, ताकि आप भी इनका फायदा उठा सकें और अपने छोटे से घर को खूबसूरत और आलीशान बनाकर रख सकें।

न्यूट्रल और लाइट कलर्स का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने घर को बड़ा और लग्जरी दिखाना चाहते हैं तो इसका सबसे पहला रूल है कि दीवारों के रंगों को बहुत ही सोच-समझकर चुनें। 1BHK फ्लैट में कभी भी बहुत ही डीप या फिर भड़कीले रंगों का इस्तेमाल न करें। इस तरह के रंगों की वजह से आपका कमरा छोटा और संकरा लगने लगता है। इसके बजाय आप ऑफ-व्हाइट, क्रीम, लाइट ग्रे, बेज या पेस्टल कलर्स को चुनना आपके लिए बेस्ट हो सकता है। इस तरह के सभी रंग लाइट को अच्छी तरह रिफलेक्ट करते हैं, जिस वजह से पूरे घर में ज्यादा रोशनी लगती है और वह खुला-खुला भी नजर आता है। अगर आप चाहें तो किसी एक दीवार पर थोड़ा डार्क शेड देकर उसे एक्सेंट वॉल बना सकते हैं, जिससे कमरे में एक डेप्थ आती है।

मल्टी-फंक्शनल और स्लीक फर्नीचर चुनें

छोटे फ्लैट में आपको कभी भी भारी-भरकम या बड़े साइज का फर्नीचर रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो घर पर चलने-फिरने की जगह बिलकुल ही खत्म हो जाती है और वह ज्यादा बिखरा हुआ भी लगने लगता है। एक लग्जरी लुक पाने के लिए हमेशा स्लीक, मॉडर्न और मल्टी-फंक्शनल फर्नीचर का इस्तेमाल करें। जैसे कि ऐसा सोफा जो बेड भी बन जाए, या फिर हाइड्रोलिक स्टोरेज वाला बेड। इसके अलावा, जमीन पर जगह घेरने वाले कैबिनेट्स की जगह दीवारों पर फ्लोटिंग शेल्व्स बनवाएं। जब फ्लोर स्पेस खाली रहता है, तो घर अपने आप ही बड़ा और सुलझा हुआ दिखने लगता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा के नवम भाव में होने से आज किसी जरूरतमंद की आगे बढ़कर मदद करने से आपका भाग्य तेजी से चमकेगा। ब्रह्म योग बनने से आज बिजनेसमैन को भाग्य का सकारात्मक स्ट्रोक मिलेगा, जो आपको मार्केट में अन्य प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे रखेगा।

वृषभ राशि - चंद्रमा के अष्टम भाव में होने से आज ननिहाल या ददियाल पक्ष में किसी सदस्य के साथ अचानक तीखी बहस या अनबन हो सकती है, शांत रहें। आज आपको अपनी सोशल और पॉलिटिकल लाइफ में अपनी आक्रामक वाणी पर कड़ा कंट्रोल रखना होगा, वरना आपके शब्द ही आपके लिए सबसे बड़े शत्रु का काम करेंगे।

मिथुन राशि - चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से आज पार्टनरशिप (साझेदारी) के बिजनेस में लॉन्च किए गए नए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज से आपको बंपर लाभ होने वाला है। आज ऑफिस में टीमवर्क के साथ काम करना आपके लिए बहुत जरूरी है,प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए अपनी पूरी टीम को साथ लेकर चलें और उन्हें लगातार मोटिवेट करते रहें।

कर्क राशि - चंद्रमा के छठे भाव में होने से कल आपको किसी पुरानी गंभीर बीमारी या शारीरिक कष्ट से पूरी तरह परमानेंट छुटकारा मिल जाएगा। ब्रह्म योग बनने से आज नौकरीपेशा लोगों की ऑफिस में टॉप सीनियर्स के साथ एक बड़ी ऑफिशियल मीटिंग हो सकती है, जिसमें आपके बेहतरीन काम के साथ-साथ आपकी सैलरी और पद को भी बढ़ाए जाने पर सकारात्मक चर्चा होगी।

सिंह राशि - चंद्रमा के पांचवें भाव में होने से आज आपको अचानक कहीं से बड़ा आकस्मिक धन लाभ होने के मजबूत योग हैं. ब्रह्म योग बनने से कल हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट), फर्नीचर और इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट बिजनेस से जुड़े व्यापारियों को विदेशी कंपनियों से बड़ा बंपर मुनाफा होने की प्रबल संभावना दिखाई दे रही है।

कन्या राशि - चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से आज घर की किसी महिला सदस्य की सेहत अचानक थोड़ी नासाज हो सकती है, उनका विशेष ध्यान रखें। सेहत के मामले में आज डायबिटीज के पेशेंट्स को अपने खान-पान और लाइफस्टाइल का खास ख्याल रखना होगा। कार्यस्थल पर कल आपके ऊपर थोड़ा आलस्य हावी हो सकता है, इसलिए खुद को लगातार एक्टिव रखें।

तुला राशि-चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से कल संकट के समय किसी पुराने मित्र से बड़ी और अप्रत्याशित मदद मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों की कल नई आधुनिक टेक्नोलॉजी और एडवांस सॉफ्टवेयर पर मजबूत पकड़ उन्हें ऑफिस में अन्य कलीग्स से बिल्कुल अलग और खास बना देगी, बस आपको अपने भीतर घमंड को आने से रोकना होगा।

वृश्चिक राशि -चंद्रमा के दूसरे भाव में होने से आज आपको अपनी पैतृक संपत्ति और पारिवारिक धन की उचित देखभाल करनी चाहिए। ब्रह्म योग बनने से कल ग्राहकों का अटूट विश्वास और सकारात्मक रिव्यूज आपके बिजनेस की काउंटर सेल में भारी इजाफा करेंगे। परिवार से संबंधित मानसिक तनाव आज पूरी तरह खत्म होगा, जिससे घर का माहौल शांतिपूर्ण रहेगा।

धनु राशि-चंद्रमा आज आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आपका बौद्धिक विकास होगा और मन पूरी तरह शांत व खुशनुमा रहेगा। आज ऑफिस में पूरी तरह टीमवर्क का दिन है; कलीग्स के साथ मिलकर काम करने से कोई बड़ा प्रोजेक्ट आसानी से क्लियर होगा। इस कॉरपोरेट कोलाबोरेशन से मार्केट में आपकी वैल्यू बढ़ेगी।

मकर राशि - चंद्रमा के बारहवें भाव में होने से आज आपको अपने फालतू और फिजूल के खर्चों को कम करने के लिए एक ठोस बजट बनाने की जरूरत है। आज नौकरीपेशा लोगों का मन मुख्य काम में थोड़ा कम और भविष्य की चिंताओं में ज्यादा भटक सकता है, जिसके चलते प्रोजेक्ट्स डिलीवर होने में डिले (देरी) हो सकता है; फोकस बढ़ाएं।

कुंभ राशि- चंद्रमा के ग्यारहवें भाव में होने से आज आपको केवल इस बात पर फोकस करना चाहिए कि आपका मुख्य प्रॉफिट और रेवेन्यू किसमें छिपा है। आज करियर और प्लेसमेंट के क्षेत्र में युवाओं को एक बिल्कुल नई उम्मीद की किरण मिलेगी, अपनी इसी उम्मीद को साकार करने के लिए पूरी जी-जान लगा दें, निश्चित तौर पर सफलता मिलेगी।

मीन राशि- चंद्रमा के दसवें भाव में होने से कल आपकी जॉब प्रोफाइल या वर्किंग डिपार्टमेंट में होने वाले बदलावों से आपको बहुत बड़ा करियर लाभ होने वाला है। ब्रह्म योग बनने से आज छात्र, कलाकार और खिलाड़ी वर्ग के युवाओं को भाग्य और कर्म दोनों का पूरा साथ मिलेगा; दोनों का सपोर्ट मिलने से बड़ी सफलता हाथ लगेगी।

दालों में लगभग 20% प्रोटीन होता है

हम भारतीय अपने खाने-पीने के शौकीन मिजाज और थाली के रंगों के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। दाल, चावल, रोटी, सब्जी, अचार और रायता हमारी पारंपरिक थाली देखने में जितनी भरपूर लगती है, उतनी ही स्वादिष्ट भी होती है। लेकिन जब बात सेहत और खासकर प्रोटीन की आती है, तो हमारी यही ट्रेडिशनल थाली रोज की जरूरतों को पूरा करने में पीछे छूट जाती है। ICMR के अनुसार, एक एडल्ट को रोजाना लगभग 60 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है। आइए जानते हैं कि आखिर हमारी रोज की थाली इस टारगेट को हासिल करने में क्यों चूक जाती है।

कार्बोहाइड्रेट की बहुत ज्यादा मात्रा

हमारी थाली का सबसे बड़ा हिस्सा रोटी, चावल, पोहा या आलू जैसी चीजों से घिरा होता है. ये सभी चीजें कार्बोहाइड्रेट्स का मुख्य स्रोत हैं, जो हमें तुरंत एनर्जी तो देती हैं, लेकिन इनमें प्रोटीन की मात्रा बहुत कम होती है. अमूमन भारतीय घरों में थाली का 70 से 80% हिस्सा सिर्फ कार्ब्स से भरा होता है, जिससे प्रोटीन के लिए जगह ही नहीं बचती.

दाल-रोटी और चावल को प्रोटीन का इकलौता जरिया मानना

हमारे यहां माना जाता है कि रोज दाल-चावल खा लिया, तो प्रोटीन की कमी नहीं होगी। लेकिन ऐसा नहीं है। दालों में लगभग 20% प्रोटीन होता है, और इसके साथ भारी मात्रा में कार्बोहाइड्रेट भी होता है। अगर कोई सिर्फ दाल से अपने दिनभर का 60 ग्राम प्रोटीन का टारगेट पूरा करना चाहे, तो उसे दिन में 7 से 8 कटोरी दाल पीनी पड़ेगी, जो हजम करना नामुमकिन है। इसके अलावा, हमारे प्रोटीन का 60% हिस्सा गेहूं और चावल से आता है, जिसे हमारा शरीर पूरी तरह और आसानी से सोख नहीं पाता।

जलजीरा पाउडर कैसे बनाएं?

बनाने के लिए सामग्री:

4 बड़े चम्मच भुना जीरा पाउडर, 2 बड़े चम्मच काला नमक,1 बड़ा चम्मच सादा नमक,2 बड़े चम्मच सूखा पुदीना पाउडर, 1 बड़ा चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 बड़ा चम्मच सूखा आमचूर पाउडर,1 छोटा चम्मच सोंठ पाउडर,1 छोटा चम्मच हींग।

बनाने की विधि:

सबसे पहले भुना जीरा, काला नमक, सादा नमक, सूखा पुदीना, काली मिर्च, आमचूर पाउडर, सोंठ और हींग को एक बड़े बाउल में डाल लें। अब सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं ताकि हर मसाला समान रूप से मिश्रित हो जाए। यदि आप हल्का मीठा स्वाद पसंद करते हैं, तो इसमें पिसी हुई चीनी भी मिला सकते हैं। इसके बाद मिश्रण को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर एक बार फिर बारीक पीस लें। तैयार प्रीमिक्स को छानकर एयरटाइट कांच या प्लास्टिक के कंटेनर में भर लें। कंटेनर को ठंडी और सूखी जगह पर रखें। इस तरह तैयार जलजीरा प्रीमिक्स लगभग 1 से 2 महीने तक ताजा बना रहता है और जब भी जरूरत हो, इसे तुरंत इस्तेमाल किया जा सकता है।

जलजीरा तैयार करने का तरीका:

जब भी ठंडा और स्वादिष्ट जलजीरा पीने का मन हो, एक गिलास ठंडा पानी लें और उसमें 1 से 2 चम्मच तैयार जलजीरा प्रीमिक्स डालें। चम्मच की मदद से इसे अच्छी तरह घोल लें ताकि मसाले पूरी तरह पानी में मिल जाएं। स्वाद बढ़ाने के लिए आधा नींबू निचोड़ें और कुछ बर्फ के टुकड़े डाल दें। यदि आप अधिक ताजगी चाहते हैं तो बारीक कटी पुदीने की पत्तियां भी मिला सकते हैं। मेहमानों के लिए सर्व करते समय गिलास को पुदीने की पत्तियों और नींबू के स्लाइस से सजाएं।

मॉनसून में बालकनी बनेगी फूलों का गुलदस्ता

बस लगा लें ये पौधे

बरसात के मौसम में अपने गार्डन को सुंदर बनाने के लिए बाल्सम पौधा सबसे अच्छा माना जाता है। यह छायादार बालकनी और गमलों के लिए बेहद उपयुक्त पौधा है। इस पौधा को आप मॉनसून में लगवा सकते हैं और इसकी ज्यादा देखभाल करने की कोई जरुरत नहीं है। असल में बाल्सम एक ऐसा पौधा है, जो नम, छायादार परिस्थितियों में अच्छी तरह पनपता है। इसी कारण से इस पौधे को मॉनसून में बढ़ने वाले पौधों में से एक माना जाता है। इसके रंग-बिरंगे बालकनी को और ज्यादा खूबसूरत दिखाते हैं।

मॉनसून सीजन में आने में अब ज्यादा समय बचा नहीं है। बारिश की बौछार की गर्मी से राहत देता है। बरसात के समय चारों तरफ वातावरण बेहद खुशनुमा होता है। ऐसे में आपके घर में लगे पौधे और भी खूबसूरत हो जाते हैं। अगर आप भी मॉनसून में अपने घर की बालकनी को पौधों से सजाना चाहते हैं, तो आप इन फूलों के पौधे जरूर लगाएं। बरसात के मौसम में कुछ ऐसे पौधे भी जिन्हें आप घर में लगाएंगे, तो आपकी बालकनी बहुत ज्यादा अट्रैक्टिव बन जाएगी। आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे खास पौधे जो आप अपने घर पर लगा सकते हैं।

जीनिया

मॉनसून के समय आप अपने घर पर जीनिया का पौधा लगा सकते हैं। जीनिया पौधा दिखने में काफी ब्राइट कलर्स के होते हैं। इनमें लगे लाल, नारंगी, पीला, सफेद और बैंगनी जैसे फूल काफी प्यारे लगते हैं। इन फूलों को धूप काफी पसंद होती है और इसे आप बीज से भी लगा सकते हैं।

बाल्सम

आप चाहे तो इस पौधे को इसकी कलम से भी लगा सकते हैं। एक 8 से 10 इंच के गमले में कम से कम दो जीनिया के पौधे लगा सकते हैं। इसको गमले में लगा दोंगे, तो दो अलग रंगों के फूल खिलते नजर आएंगे और बालकनी भी बहुत सुंदर लगती है।

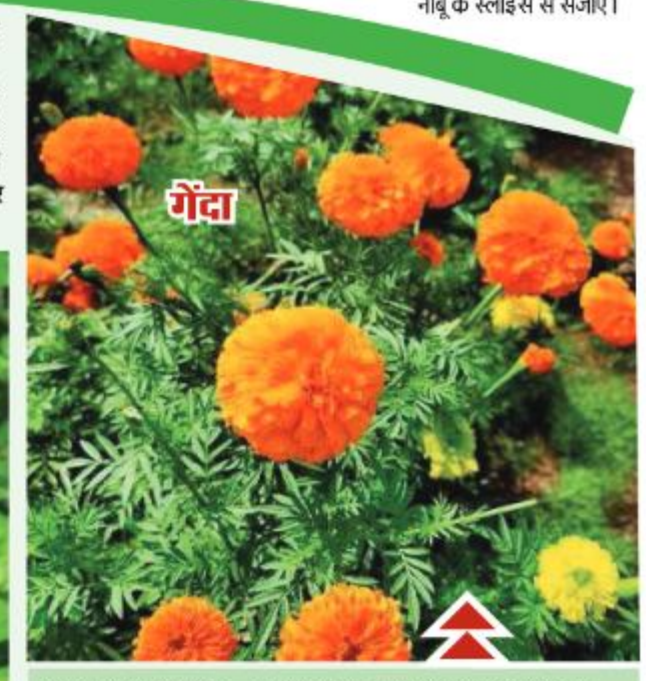

गेंदा

गेंदा एक ऐसा लोकप्रिय फूलदार पौधा है जो बरसात के मौसम में विशेष रूप से खूब फलता-फूलता है। हालांकि यह सालभर फूल देता रहता है, लेकिन मॉनसून के दौरान इसमें अधिक संख्या में रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं, जिससे बालकनी और बगीचे की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। इसके अलावा, इसकी खुशबू और गुणों के कारण इसे बरसात में आने वाले कई प्रकार के कीड़ों को दूर रखने के लिए भी लगाया जाता है। गेंदे में भी कई रंग और वैरायटी पाई जाती है और आप इसे मॉनसून में बीज से आसानी से उगा सकते हैं। इसके बीजों को गमले में डालकर बालकनी में रख दें और ये बारिश के पानी से बहुत जल्दी बढ़ने लगता है और इसमें बहुत से फूल खिलने लगते हैं।

नवा कलम प्रतियोगिता, पुस्तक विमोचन, थाथी सम्मान एवं काव्य गोष्ठी का गरिमामय आयोजन सम्पन्न

आरूग चौरा के 'बछर तिहार-2026' में साहित्य, संस्कृति और सृजन का भव्य संगम

बेमेतरा। आरूग चौरा छत्तीसगढ़ी काव्य कला मंच द्वारा पी.जी. कॉलेज, बेमेतरा में आयोजित 'बछर तिहार-2026' साहित्य, संस्कृति एवं सृजन का अनुपम उत्सव बनकर उभरा। इस आयोजन में नवा कलम प्रतियोगिता, पुस्तक विमोचन, थाथी सम्मान, साहित्यकार सम्मान तथा काव्य गोष्ठी जैसे विविध साहित्यिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि स्वागत एवं मंचासीन कार्यक्रम के साथ हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पी.सी. लाल यादव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोहित साहू (अध्यक्ष, तहसील साहू संघ, बेमेतरा) तथा तारचंद माहेश्वरी (समाजसेवी) उपस्थित रहे। प्रथम सत्र का संचालन हरीश पटेल ने किया। प्रथम सत्र का मुख्य आकर्षण 'नवा कलम प्रतियोगिता' रही। चयनित दस प्रतिभागियों ने अपनी मौलिक छत्तीसगढ़ी रचनाओं का सशक्त एवं प्रभावपूर्ण पाठ प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों की भाषा, भाव, प्रस्तुति शैली, मौलिकता तथा मंचीय अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. पी.सी. लाल यादव, राम कुमार साहू, सोम प्रभा नूर, मनोज बक्शी तथा पोखनलाल जायसवाल की निर्णायक मंडली द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। निर्णायकों के मूल्यांकन के आधार पर राजीव मधुकर (बेमेतरा) ने प्रथम, गायत्री श्रीवास (सिंघनगढ़) ने द्वितीय तथा दिव्यांशु वर्मा (उघरा, बेमेतरा) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले राजीव मधुकर को 'नवा कलम सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए, जबकि सभी चयनित प्रतिभागियों को सहभागिता सम्मान-पत्र देकर उनकी साहित्यिक प्रतिभा का सम्मान किया गया। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में विजय सिन्हा, डॉ. वीणा त्रिपाठी तथा नारद साहू शामिल रहे। आरूग चौरा के संस्थापक ईश्वर साहू 'आरूग' ने स्वागत उद्बोधन एवं अतिथि परिचय प्रस्तुत किया तथा संस्था की अध्यक्ष पुष्पलता ईश्वर साहू की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम आगे बढ़ा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी साहित्य की तीन महत्वपूर्ण कृतियों–'ठोमहा भर मोती' (ईश्वर साहू 'आरूग'), 'पंचतंत्र के मणि' (मनोज पाटिल 'मणि') तथा 'गीत बँधी' (ईश्वर साहू 'बंधी')–का लोकार्पण अतिथियों के करकमलों से सम्पन्न हुआ। पुस्तक परिचय एवं समीक्षा के दौरान वक्ताओं ने इन पुस्तकों को छत्तीसगढ़ी साहित्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए लेखकों की दीर्घ साहित्य साधना की मुक्तकंठ से सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि पुस्तकें केवल शब्दों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि समाज की चेतना, संस्कृति और अनुभवों का जीवंत दस्तावेज होती हैं। कार्यक्रम में 'छत्तीसगढ़ के थाथी सम्मान' से मंगत रविन्द्र को सम्मानित किया गया साथ ही प्रतियोगिता के विजेताओं, चयनित प्रतिभागियों एवं निर्णायक मंडल का भी सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि दीपेश साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि मातृभाषा के संरक्षण और साहित्य के विकास के लिए ऐसे आयोजनों की आज अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने आरूग चौरा द्वारा किए जा रहे साहित्यिक प्रयासों की सराहना करते हुए इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों को वृहद स्तर पर करना चाहिए और पाँच सितारा होटलों में व्यवस्थित करना चाहिए। आगे जब भी ऐसा कार्यक्रम होगा मैं तन मन और धन से पूर्ण सहयोग करूँगा। ÷ डॉ. वीणा त्रिपाठी, श्री विजय सिन्हा तथा श्री नारद साहू ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन पर बल दिया तथा युवा रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत, पहले दिन 81 प्रतिशत बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

दुर्ग। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन दुर्ग जिले में उल्लेखनीय सफलता मिली। निर्धारित 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 81 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाया गया। अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोटियाकला में जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। अभियान के दौरान दुर्ग, भिलाई, पाटन, धमधा और निकुम सहित जिलेभर के पोलियो बूथों पर जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर लोगों को जागरूक किया। जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पूरे जिले में अभियान की सतत निगरानी की। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन पालकों में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के प्रति उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। वहीं जिला अस्पताल दुर्ग में आज जन्मे 9 नवजात शिशुओं को भी जन्म के साथ ही पोलियो की खुराक दी गई। सेक्टर-9 बीएसपी अस्पताल एवं निजी नर्सिंग होम में जन्मे नवजातों को भी पोलियो ड्रॉप पिलाई गई।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड विकासखंड निकुम, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे विकासखंड पाटन क्षेत्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव ने विकासखंड धमधा एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भ्रमण कर मॉनिटरिंग की। विकासखंड क्षेत्रों में खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन विकासखंड निकुम, डॉ. बी आर कठौतिया पाटन एवं डॉ. रचना अग्रवाल ने धमधा, डॉ. पीयाम सिंह ने शहरी भिलाई, टाउनशिप क्षेत्र व डॉ. चुनारकर ने शहरी दुर्ग में भ्रमण कर मानिटरिंग की। स्वास्थ्य विभाग की ट्रांजिट और मोबाइल टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, टेम्पो स्टैंड, झुग्गी-बस्तियों, ईंट भट्ठों, फैक्ट्री क्षेत्रों तथा नदी किनारे की बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 29 और 30 जून को घर-घर अभियान चलाकर घरों का भ्रमण किया जाएगा, ताकि पहले दिन बूथों तक नहीं पहुंच पाए सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सके।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस पर पालिका अध्यक्षा मीना वर्मा ने बच्चों को पिलाई पोलियो ड्रॉप

कुम्हारी। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत नगर पालिका परिषद कुम्हारी क्षेत्र अंतर्गत शासकीय कन्या शाला बाजार चौक में स्वास्थ्य विभाग कुम्हारी द्वारा आयोजित कायक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा ने बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाई इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग कुम्हारी के स्टाफएवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित रही। अध्यक्ष वर्मा ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य ही हमारे उज्जवल भविष्य की नींव हैं उन्होंने पालिका क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील किया कि जिनके भी परिवार में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चे हैं वे सभी अपने बच्चों को इस पल्स पोलियो अभियान का हिस्सा बनाएं साथ ही 'दो बूंद जिंदगी की' जरूर पिलाए ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे पोलियो मुक्त समाज का निर्माण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी हैं हमारी कोशिश होनी चाहिए कि क्षेत्र का एक भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से छूट न जाए साथ ही उन्होंने जानकारी साझा करते हुए बताया कि आज रविवार को कन्या शाला में पल्स पोलियो आयोजित हैं परन्तु सोमवार से घर घर जाकर हमारे स्वास्थ्य विभाग तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मितानिन बहनों द्वारा बच्चों को दो दिनों तक पोलियो ड्रॉप की दवा पिलाई जाएगी।

मुख्य सचिव से पहचान का झांसा, फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर 5.50 लाख की ठगी

सरकारी नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर महिला आरोपी ने तीन महिलाओं से लाखों ऐंठे, बालोद पुलिस ने दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

बालोद। जिले में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक महिला पर मुख्य सचिव से पहचान होने का दावा कर तीन महिलाओं को सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने का झांसा देने, लाखों रुपये वसूलने और बाद में फर्जी जॉइनिंग लेटर थमाकर धोखा देने का आरोप लगा है। शिकायत के आधार पर बालोद पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज एफआईआर के अनुसार, नगर के मरारपारा वार्ड क्रमांक-9 निवासी डॉमिन साहू (37) ने 28 जून को शिकायत दर्ज कराई कि वह एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। करीब डेढ़ वर्ष पहले उनकी मुलाकात नयापारा निवासी योगेश साहू से हुई थी। योगेश ने उन्हें बताया कि उसने हाईस्कूल कनेरी में कंप्यूटर शिक्षक की नौकरी लगवाने के लिए पांडेपारा निवासी लता धीवर को साढ़े 3 लाख रुपये दिए हैं और यदि उन्हें भी सरकारी नौकरी चाहिए तो लता से संपर्क कर सकती हैं। इसके बाद डॉमिन साहू अपनी परिचित बिंदू दुबे और ललिता गजेंद्र के साथ 5 मार्च 2025 को लता धीवर के घर पहुंचीं। आरोप है कि लता धीवर ने स्वयं की पहचान छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव से होना बताते हुए भरोसा दिलाया कि वह सरकारी विभागों में आसानी से नौकरी लगवा सकती है। उसने डॉमिन साहू को कृषि विभाग, बिंदू दुबे को जिला अस्पताल बालोद में केयर टेकर तथा ललिता गजेंद्र को जिला अस्पताल में दवा वितरण के कार्य पर नियुक्त कराने का आश्वासन दिया और प्रत्येक से दो-दो लाख रुपये की मांग की।

पुलिस में मामले को विवेचना में लेकर की जांच शुरू

शिकायत के अनुसार, डॉमिन साहू ने 2 लाख रुपये, बिंदू दुबे ने डेढ़ लाख रुपये तथा ललिता गजेंद्र ने 2 लाख रुपये नगद लता धीवर को दिए। इस प्रकार तीनों से कुल साढ़े 5 लाख रुपये वसूले गए।

लता ने एक वर्ष के भीतर नौकरी लगवाने का वादा किया, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी किसी की नियुक्ति नहीं हुई। पीड़ितों का आरोप है कि लगातार दबाव बनाने पर लता धीवर ने डॉमिन साहू को कृषि विभाग में फील्ड वर्क के लिए एक जॉइनिंग लेटर दिया। बाद में जांच करने पर वह फर्जी निकला। इसके बाद तीनों महिलाओं को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। पैसे वापस मांगने पर भी आरोपी ने रकम नहीं लौटाई।

तीनों महिलाओं ने संयुक्त रूप से बालोद थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत और प्रस्तुत दस्तावेजों के परीक्षण के बाद पुलिस ने प्रथम दृष्ट्या धोखाधड़ी का मामला पाए जाने पर लता धीवर निवासी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने इसी तरह अन्य लोगों से भी नौकरी दिलाने के नाम पर रुपये तो नहीं वसूले हैं। यदि जांच में ऐसे और मामले सामने आते हैं तो आरोपी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

भिलाई-चरोदा में भाजपा का 'हल्ला बोल', नगर निगम घेराव का ऐलान

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

भिलाई-3/चरोदा। भारतीय जनता पार्टी भिलाई-3 एवं चरोदा मंडल की संयुक्त बैठक रविवार को रुक्मणी पैलेस में आयोजित की गई। बैठक में 30 जून को प्रस्तावित भिलाई-चरोदा नगर निगम घेराव कायक्रम की रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा नेताओं ने नगर निगम की कार्यप्रणाली, क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं तथा कांग्रेस सरकार की नीतियों को लेकर तीखा हमला बोलते हुए बड़े जनआंदोलन का संकेत दिया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन उपस्थित रहे। उनके साथ जिला महामंत्री सुषमा जेठानी, भिलाई-3 प्रभारी मनोज तिवारी, चरोदा प्रभारी बिजेंद्र सिंह, सह प्रभारी गुरमीत सिंह सूखो, मंडल अध्यक्ष वरुण यादव, ए. गौरीशंकर, विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, नेता प्रतिपक्ष रामखिलावन वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत चरोदा मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर के स्वागत भाषण एवं अध्यक्षीय उद्बोधन से हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं को निगम घेराव कार्यक्रम की रूपरेखा, जनसंपर्क अभियान, भीड़ प्रबंधन और संगठनात्मक जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि नगर निगम क्षेत्र में पेयजल, सफाई, सड़क, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई मुद्दे लंबे समय से उपेक्षित हैं। भाजपा इन जनसमस्याओं को लेकर जनता की आवाज बनेगी और निगम प्रशासन को जवाबदेह बनाने के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन करेगी। चरोदा प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर निगम घेराव को सफल बनाने का आह्वान किया। वहीं मनोज तिवारी ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय कर प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतरने की बात कही। नेता प्रतिपक्ष रामखिलावन वर्मा ने कहा कि भाजपा जनता के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी और नगर निगम की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष तेज किया जाएगा। विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू ने संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को आंदोलन की सफलता का आधार बताया। जिला महामंत्री सुषमा जेठानी ने अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने और महिलाओं सहित सभी वर्गों को आंदोलन से जोड़ने पर जोर दिया। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनता की समस्याओं को लेकर पूरी ताकत के साथ संघर्ष करें। उन्होंने 30 जून के निगम घेराव को ऐतिहासिक और प्रभावी बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा जनहित के मुद्दों पर किसी भी स्तर तक संघर्ष करने से पीछे नहीं हटेगी। बैठक के अंत में भिलाई-3 मंडल अध्यक्ष वरुण यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री श्यामसुंदर जायसवाल, समीर अग्रवाल एवं पूर्णिमा ठाकुर ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, पार्षदगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टर्मिनेटर नाइट राइडर्स बनी इंटर हाउस अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 की विजेता

कुम्हारी। टर्मिनेटर इंटरनेशनल क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित इंटर हाउस अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में टर्मिनेटर इंटरनैशनल क्रिकेट एकेडमी के 17 वर्ष आयु वर्ग के 114 खिलाड़ियों की कुल 8 टीमें बनाई गई थीं।यह प्रतियोगिता 17 जून से 25 जून तक चली! इनमें टर्मिनेटर कुम्हारी कैपिटल्स, टर्मिनेटर रुंगटा टाइटन्स, टर्मिनेटर रॉयल्स, टर्मिनेटर महासमुंद इंडियंस, टर्मिनेटर सुपर किंग्स, टर्मिनेटर नाइट राइडर्स, टर्मिनेटर रॉयल चैलेंजर्स एवं टर्मिनेटर किंग्स शामिल रहीं। लीग मुकाबलों के बाद टर्मिनेटर नाइट राइडर्स, टर्मिनेटर रुंगटा टाइटन्स, टर्मिनेटर किंग्स एवं टर्मिनेटर महासमुंद इंडियंस ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मुकाबलों में टर्मिनेटर नाइट राइडर्स और टर्मिनेटर किंग्स ने जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में टर्मिनेटर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया और टर्मिनेटर नाइट राइडर्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट राइडर्स ने 25 ओवर के मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 256 रन बनाए। टीम की ओर से आर्यन दुबे ने 68 रन और गणेश नागवानी ने 62 रन और कप्तान काव्य साहू ने 54 रन की शानदार पारियां खेलीं। वहीं टर्मिनेटर किंग्स की ओर से लावण्य ठाकुर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए। 257 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टर्मिनेटर किंग्स की टीम ने अच्छा संघर्ष किया। टीम की ओर से मनोज पटेल ने शानदार 91 रन बनाए, जबकि लावण्य ठाकुर ने 31 रन का योगदान दिया इसके बावजूद भी टर्मिनेटर किंग्स की टीम निर्धारित ओवरों में 219 रन ही बना सकी। नाइट राइडर्स की ओर से गेंदबाजी में युवराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि शिवम ने 2 विकेट प्राप्त किए। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए युवराज केवट को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दयानिधि हॉस्पिटल पर JD डॉक्टर अनिल शुक्ला ने जाँच टीम बना कार्यवाही करने का CMHO को दिया निर्देश

अंबिकापुर : जिले के बहुचर्चित 'दयानिधि हॉस्पिटल' और उसके संचालक डॉ. संदीप त्रिपाठी एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। हॉस्पिटल प्रबंधन पर आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपचार करने के बावजूद मरीजों से अवैध रूप से फोन-पे (PhonePe) और कैश के जरिए पैसे वसूलने के गंभीर आरोप लगे हैं।

जाँच के लिए संयुक्त संचालक ने जारी किया पत्र- मामले की गंभीरता को देखते हुए 'सरगुजा समय' सहित अन्य मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी। इन शिकायतों और खबरों का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. अनिल शुक्ला ने कड़ा रुख अपनाया है।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) को पत्र लिखकर तत्काल एक जांच टीम गठित करने और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मरीजों को बनाया जाता था शिकार:- आरोप है कि हॉस्पिटल प्रशासन आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों को सरकारी योजना का लाभ देने के बजाय उनसे उपचार के नाम पर अवैध वसूली करता रहा है। मरीजों और उनके परिजनों द्वारा बार-बार शिकायतें मिलने के बाद अब प्रशासन ने जांच की तैयारी पूरी कर ली है।

आगामी कार्रवाई की तैयारी- JD स्वास्थ्य विभाग डॉक्टर अनिल शुक्ला के इस आदेश से जिले के स्वास्थ्य महकमे एवं निजी अस्पतालों में हड़कंप मचा हुआ है। आम जनता इस पूरे मामले पर निष्पक्ष जांच और सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की उम्मीद लगाए बैठी है।

छत्तीसगढ़ के उद्योग जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ बिजनेस डेलिगेशन से लौटे डॉ. जितेंद्र गुप्ता का भव्य स्वागत

भिलाई। छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं व्यापार जगत के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि उद्योग चेम्बर भिलाई के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र गुप्ता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में आयोजित उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय बिजनेस डेलिगेशन में सहभागी बनने के पश्चात स्वदेश लौटे। उनके आगमन पर एयरपोर्ट रायपुर व भिलाई में भव्य स्वागत किया गया।

रायपुर में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी,महामंत्री अजय भसीन,अनिल जोतसिंघनी व चेम्बर के पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया।

छावनी चौक के समीप उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधियों, चेम्बर पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने उत्साहपूर्वक डॉ. गुप्ता का स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गीशंकर मिश्रा एवं प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने किया। इस अवसर पर पुष्पमालाओं एवं पुष्पगुच्छों से उनका अभिनंदन कर शुभकामनाएँ दी गईं।

महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि डॉ. जितेंद्र गुप्ता का इस प्रतिष्ठित बिजनेस डेलिगेशन में शामिल होना न केवल भिलाई बल्कि पूरे प्रदेश के लिये गौरव की बात है।

गार्गी शंकर मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित बिजनेस प्लेनरी एवं एमएसएमई संवाद सत्र में माननीय श्री पीयूष गोयल जी ने प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा भारत सरकार की उद्योग, निवेश, निर्यात संवर्धन एवं एमएसएमई विकास संबंधी नीतियों की जानकारी साझा की।

चेयरमैन दिनकर बसोतिया जी कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम के मध्य व्यापार, निवेश, तकनीकी सहयोग, ऊर्जा विनिर्माण, हरित ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं नवाचार के क्षेत्रों में संभावनाये बढ़ेगी।

डॉ. जितेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि यह यात्रा केवल एक प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय उद्योगों विशेषकर छत्तीसगढ़ के एमएसएमई एवं विनिर्माण क्षेत्र के लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोलने वाला महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुई है। इस दौरान स्थापित हुए संपर्क, प्राप्त अनुभव एवं व्यावसायिक अवसर प्रदेश के औद्योगिक विकास में सहायक होंगे।

डॉ. गुप्ता ने भारत सरकार, एफआईसीसीआई, माननीय श्री पीयूष गोयल जी, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज तथा सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस अंतरराष्ट्रीय दौरे के अनुभवों एवं संभावनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ के उद्योगपतियों, व्यापारियों एवं युवा उद्यमियों तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे, जिससे प्रदेश के औद्योगिक विकास और वैश्विक व्यापारिक संबंधों को नई दिशा मिल सके।

कार्यक्रम में भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा,पंकज सेठी उद्योग चेम्बर से महेश बंसल,बृजमोहन अग्रवाल,विनोद सोनी ,सरोजनी पाणिग्रही,माधुरी पाराशर, मनोहर कृष्णानी, लक्ष्मण बकतानी,अखिलेस सिंह,निरंकार सिंह व अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं उद्योग जगत के गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com